दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट से पूर्व वित्त मंत्री सीतारमण को खिलाया दही-शक्कर

मोदी 2.0 सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले अंतरिम बजट में बताया अपना विजन

टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं... विकास पर फोकस...

मध्यम वर्ग के लिए सरकार अगले पांच साल में बनाएगी तीन करोड़ नए आवास

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मौजूदा सरकार का आखिरी बजट पेश किया। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर ये अंतरिम बजट है। इस दौरान वित्त मंत्री का बजट भाषण करीब एक घंटे चला। मोदी 2.0 सरकार के इस अंतरिम बजट में करदाताओं को खुश होने के लिए बहुत कुछ नहीं मिला। सरकार पूंजीगत व्यय और अन्य सामाजिक कल्याण सेवाओं में निरंतर रुचि के साथ राजकोषीय कंसोलिडेशन के मार्ग पर आगे बढ़ती नजर आई है। जिस तरह से पीएम मोदी किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीबों पर खास फोकस की बात करते हैं। निर्मला सीतारमण ने भी एक बार फिर अलग-अलग वर्ग के समर्थन में आवाज बुलंद की। वित्त मंत्री ने कहा कि मध्यम वर्ग के लोगों को किफायती घर मुहैया कराने के लिए एक नई आवास योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के लिए सरकार अगले पांच साल में तीन करोड़ नए घर बनाएगी। वित्त मंत्री ने अपना बजट भाषण शुरू करने से पहले ही साफ कर दिया कि उनका पूरा फोकस देश के विकास पर केंद्रित रहेगा। बजट से पहले निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगले पांच साल बेहद अहम हैं, ये अभूतपूर्व विकास और 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के सुनहरे पल होंगे।

सरकार की उपलब्धियां

78 लाख लोगों को PM स्वनिधि योजना का मिला लाभ

10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से आए बाहर

50 फीसदी से ज्यादा बढ़ी आम लोगों की औसत आय

30 करोड़ के लोन मुद्रा योजना के तहत महिलाओं किए गए वितरित

70 फीसदी से ज्यादा घर पीएम आवास के तहत महिलाओं को दिए गए

अब तक का सबसे छोटा बजट भाषण...

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिर्फ 56 मिनट में अपना बजट भाषण समाप्त कर दिया। यह उनका अब तक का सबसे छोटा बजट भाषण था। फिरोजी रंग की कढ़ाई वाली कांथा सिल्क साड़ी पहनकर सीतारमण संसद पहुंचीं। भाषण के दौरान लोकसभा में सत्ता पक्ष के सदस्य उनकी घोषणाओं और टिप्पणियों पर बीच-बीच में मेजें थपथपाते देखे गए। जब उन्होंने कहा कि 'हमारी सरकार जुलाई में पूर्ण बजट पेश करेगी' तो सत्ता पक्ष के सदस्यों ने सबसे ज्यादा देर तक मेजें थपथपाईं। विपक्षी सदस्यों ने भी वित्त मंत्री का बजट भाषण पूरे ध्यान से सुना। बजट भाषण शुरू होने से पहले जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा कक्ष में पहुंचे तो बीजेपी सदस्यों ने 'भारत माता की जय', 'जय श्रीराम' और 'जय सियाराम' के नारे लगाए।

सीतारमण ने लगातार छह बार बजट पेश कर बनाया रिकॉर्ड...

लखपति 'दीदी' पर सरकार का खास ध्यान

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'लखपति दीदी' को लेकर बड़ा ऐलान किया है। वित्तमंत्री ने लखपति दीदी की संख्या दो करोड़ से तीन करोड़ बढ़ाने की बात कही है। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी लखपति दीदी योजना का जिक्र किया था। राष्ट्रपति ने कहा था कि मोदी सरकार 2 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का अभियान चला रही है।

2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र

निर्मला सीतारमण ने कहा कि आर्थिक सुधारों के साथ जिस तरह से मोदी सरकार में देश आगे बढ़ रहा है, हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बना देंगे। हम पारदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का पूर्ण विश्वास है कि गरीब, महिला, अन्नदाता गरीब किसान उन्नत हो और तरक्की करे यही सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। इन्हें सशक्त करने पर हम विश्वास रखते हैं और इसी दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

बजट में खास

औसत दस दिन में ITR रिफंड

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि टैक्स ढांचे में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा, चाहे वह प्रत्यक्ष कर हो या अप्रत्यक्ष। हालांकि, सॉवरेन वेल्थ फंड और पेंशन फंड में किए गए निवेश को एक और साल के लिए टैक्स फ्री कर दिया गया है। इसके साथ ही स्टार्टअप्स के लिए टैक्स छूट का दायरा बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी कलेक्शन औसतन हर माह 1.66 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। अब औसत 10 दिन में आईटीआर रिफंड किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2025 में कुल राजस्व प्राप्ति अब 30 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2024 में 26.99 लाख करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान से अधिक है।

अंतरिम बजट पर बोले PM मोदी...

बजट ऐतिहासिक... जो चार स्तंभों को करेगा मजबूत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि अंतरिम बजट 2024 देश के भविष्य निर्माण का बजट है। यह युवा भारत के युवाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। इससे युवा, गरीब, महिला और किसान सशक्त होंगे। बजट अंतरिम बजट तो है ही यह इनक्लूजिव और इन्नोवेटिव भी है। इसमें कॉन्टिन्यूटी का कॉन्फिडेंस भी है। यह विकसित भारत देश के चार स्तंभों युवा, गरीब, महिला और किसान को सशक्त करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का यह बजट देश के भविष्य के निर्माण का बजट है। इस बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है। इसके लिए वित्त मंत्री और उनकी टीम को बहुत बहुत बधाई देता हूं।

बजट में हर वर्ग का ख्याल: भजनलाल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट साल 2024-25 के अंतरिम बजट में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ ही हर वर्ग का ख्याल है।

घर का सपना होगा पूरा

सरकार मध्यम वर्ग के व्यक्तियों को अपना घर खरीदने या निर्माण कराने के लिए 'हाउसिंग फॉर मिडिल क्लास' स्कीम लॉन्च करेगी। इसके जरिये मिडिल क्लास को घर खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

आंगनबाड़ी को फास्ट ट्रैक करने की तैयारी

बेहतर पोषण और बच्चों की देखभाल और विकास के लिए सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 को फास्ट ट्रैक किया जाएगा।

पीएम आवास योजना (ग्रामीण) का बढ़ेगा दायरा

सरकार इस स्कीम के तहत 3 करोड़ घरों के अपने लक्ष्य को पाने के करीब है। अगले पांच सालों के लिए 2 करोड़ घरों का अतिरिक्त लक्ष्य तय किया गया है।

सात IIT, सात IIM और 390 विश्वविद्यालय

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सात IIT, सात IIM और 390 विश्विद्यालय सहित शिक्षा के क्षेत्र में कई बड़ी घोषणाएं की। विशेषज्ञ इसे सरकार का क्रांतिकारी कदम बता रहे हैं।

मुफ्त बिजली की बड़ी योजना

सरकार 1 करोड़ घरों को छत पर सोलर रूफ टॉप पैनल लगाने में सक्षम बनाएगी। इसके जरिए हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का लक्ष्य है।

आयुष्मान भारत योजना का विस्तार

सभी आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को शामिल करने के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार किया जाएगा।

हवाई अड्डों का बढ़ेगा नेटवर्क

सरकार उड़ान स्कीम के तहत मौजूदा हवाई अड्डों का विस्तार करने की तैयारी में है। इसके तहत नए हवाई अड्डों का व्यापक विकास करना भी लक्ष्य है।

बकाया टैक्स डिमांड पर राहत

सरकार ने बकाया टैक्स डिमांड को लेकर बड़ा ऐलान किया है। इसके तहत वित्त वर्ष 2010 के लिए 25,000 रुपए तक और वित्त वर्ष 2011 से 2015 के लिए 10,000 रुपए तक विवादित बकाया टैक्स डिमांड को वापस लेने का फैसला किया गया है। इस कदम से लगभग 1 करोड़ टैक्स पेयर्स को फायदा होगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 के लिए पूंजीगत व्यय परिव्यय का बजट 11 फीसदी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए या जीडीपी का 3.4 फीसदी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में पूंजीगत व्यय तीन गुना होने से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन पर कई गुना प्रभाव पड़ा है।

सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन पर बड़ा प्लान

9-14 साल की लड़कियों के लिए सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण को बढ़ावा दिया जाएगा।

पीएम गति शक्ति पर फोकस

केंद्र सरकार लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने और लागत कम करने के लिए पीएम गति शक्ति के तहत तीन प्रमुख रेलवे कॉरिडोर कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करेगी।

ये भी देखें...
आईएएस और आईपीएस अफसरों के तबादले
अगले पेज पर

बजट में बड़ा ऐलान

रेलवे: इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मिले 2.55 करोड़

अंतरिम बजट में रेलवे क्षेत्र के लिए भी कई ऐलान हुए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में सरकार का फोकस वंदे भारत ट्रेनों पर रहा। अंतरिम बजट में वित्त मंत्री ने कहा कि तीन प्रमुख आर्थिक रेल गलियारा कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे। इनमें पहला ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट गलियारा, दूसरा पत्तन संपर्कता गलियारा और तीसरा अधिक यातायात वाला गलियारा है। कनेक्टिविटी को संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति के अंतर्गत इन परियोजनाओं की पहचान की गई है। इनसे रसद व्यवस्था संबंधी कार्यकुशलता बढ़ेगी और लागत में कमी आएगी। इसके चलते अधिक यातायात वाले गलियारों में भीड़ कम होने से यात्री ट्रेनों के परिचालन में सुधार लाने में भी मदद मिलेगी और यात्री सुरक्षा एवं यात्रा की रफ्तार बढ़ेगी। समर्पित मालभाड़ा गलियारों के साथ-साथ इन तीन आर्थिक गलियारा कार्यक्रमों से हमारी जीडीपी की विकास दर बढ़ेगी तथा रसद व्यवस्था संबंधी लागत में भी कमी आएगी। एक अहम ऐलान में वित्त मंत्री ने कहा कि 40 हजार सामान्य बोगियों को वंदे भारत के पैमानों के अनुरूप विकसित किया जाएगा, ताकि यात्रियों की सुरक्षा और सहूलियत को बढ़ाया जा सके। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए लगभग 40,000 सामान्य रेल बोगियों को वंदे भारत मानकों में परिवर्तित किया जाएगा। इसके अलावा, तीन प्रमुख आर्थिक रेलवे कॉरीडोर यानी ऊर्जा, खनिज, और सीमेंट कॉरीडोर तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरीडोर और हाई ट्रैफिक डेंसिटी कॉरीडोर्स लागू किए जाएंगे।

40 हजार बोगियों को वंदे भारत ट्रेन की तर्ज पर किया जाएगा अपग्रेड

ऊर्जा, खनिज और सीमेंट के लिए बनाए जाएंगे तीन नए इकोनॉमिक कॉरिडोर

सुरक्षा पर सरकार की नजर

डिफेंस: 6.25 लाख करोड़

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में रक्षा खर्च का बजट बढ़ाया है। सरकार का पूरा फोकस देश की सुरक्षा पर है। रक्षा बजट को लेकर भी निर्मला सीतारमण ने बड़ी घोषणा की है। अंतरिम बजट में रक्षा पर खर्च पिछले बजट के 5.94 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 6.25 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। इससे पहले के बजट में, रक्षा मंत्रालय को सबसे अधिक 5.94 लाख करोड़ रुपए का आवंटन हुआ, जो सरकार के कुल बजट व्यय का लगभग 13.2 फीसदी था। 2023 में सरकार ने 5.25 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा था, जिसे संशोधित करके 5.85 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया। 2024 में सरकार ने 5.94 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा, जो 2023 में संशोधित खर्च से 1.5 फीसदी ज्यादा है। अब रक्षा खर्च GDP का 3.4% खर्च होगा।

जरूरी खबर

31 मार्च तक प्रदेश में लगेंगे एक हजार सोलर सिस्टम

जयपुर। रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना के कार्य का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसको लेकर गुरुवार को विद्युत भवन के कान्फ्रेंस हॉल में जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक की अध्यक्षता में सूचीबद्ध सोलर पावर वेंडरों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में 150 से अधिक वेंडर मौजूद रहे। बैठक में जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक आरएन कुमावत ने बताया कि 31 मार्च, तक जयपुर में कम से कम एक हजार रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं वेंडर्स ने कहा कि वे इसके क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं।

पिछली सरकार के फैसलों की जांच करेगी कमेटी

जयपुर। सरकार ने पिछले सरकार के अंतिम साल में फैसलों की जांच सरकार ने चार मंत्रियों की जांच कमेटी गठित की है। कमेटी का मंत्री गजेंद्र सिंह को बनाया गया है। साथ ही जोगाराम पटेल, सुमित गोदारा और मंजू बाघमार को कमेटी का सदस्य बनाया गया है। कमेटी 3 माह में अपनी रिपोर्ट सीएम भजनलाल को देनी होगी। यह कमेटी 1 अप्रैल 2023 से लेकर 14 दिसंबर 2023 तक मंत्रिमंडल और विभागों के फैसलों की जांच करेगी। गहलोत सरकार के पिछले 5 साल के नॉन बीएसआर आईटीईएम के माध्यम से कामों की भी समीक्षा करेगी।

श्रमयोगी मानधन योजना के लिए किए पंजीकरण

जयपुर। राज्य सरकार की 100 दिवसीय कार्ययोजना को पूरा करने के लिए श्रम विभाग लगातार कार्य जारी है। इसके तहत श्रमिकों के लिए गुरुवार से विशेष शिविर भी लगाए गए। पहले दिन जयपुर जिले में दूदू पंचायत समिति और साख़ून ग्राम पंचायत कैंप लगाया गया है। कैंप में ई-श्रम कार्ड और प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के लिए निशुल्क नामांकन किया गया। इससे एक दिन पहले राजधानी की 4 नंबर डिस्पेंसरी की चोखटी पर संभागीय संयुक्त श्रम आयुक्त की ओर से शिविर लगाया गया। शिविर का श्रम आयुक्त डॉ. घनश्याम एवं संभागीय संयुक्त आयुक्त आसिफ़ शेख़ ने निरीक्षण किया। श्रम निरीक्षक भारती भिंडा ने भौतिक सत्यापन भी किया गया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने वीसी के माध्यम से ली अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

नियमित जन सुनवाई से प्रकरणों के निस्तारण का आदेश

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों की पालना सुनिश्चित करें ताकि आमजन का सरकार के प्रति विश्वास बना रहे।

उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से जनसुनवाई सुनिश्चित करने, परिवादों के त्वरित निस्तारण, उनकी मॉनिटरिंग करने तथा फीडबैक लेने के निर्देश दिए। साथ ही बिजली तथा पेयजल आपूर्ति की स्थिति, चिकित्सा सुविधाएं, जल जीवन मिशन की प्रगति, विकसित भारत संकल्प यात्रा, कानून-व्यवस्था तथा अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों की उच्च स्तरीय समीक्षा की। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समस्त संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर, पुलिस महानिरीक्षक एवं जिला पुलिस अधीक्षक की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को राजकीय भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट, उपखंड कार्यालयों, तहसील कार्यालयों और नगरपालिकाओं में ई-फाइल प्रणाली को क्रियान्वित करें ताकि अधिकतम फाइलों का निपटारा हो।

कानून का इकबाल करें बुलंद

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा हो और अपराधियों में कानून का खौफ पैदा हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आमजन को त्वरित न्याय मिले और सुगमता से उसकी एफआईआर दर्ज हो। पुलिस थानों में पीड़ित लोगों के लिए सकारात्मक वातावरण प्रदान करें और पीड़ितों के साथ संवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया जाए। महिलाओं और बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने के लिए विशेष मुस्तैदी बरतें।

जेलों में लगे अत्याधुनिक जैमर

शर्मा ने कहा कि जेलों में बंद अपराधियों द्वारा गैंग ऑपरेशन पर रोक लगाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर की जेलों का भी औचक निरीक्षण किया जाए तथा जेलों में मोबाइल के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाई जाए। इसके लिए अत्याधुनिक जैमर लगाए जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों से आने वाले अपराधियों व अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाएं।

बैठक में ये अधिकारी हुए शामिल

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा के अलावा समस्त संभागीय आयुक्त, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, जिला कलेक्टर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपायुक्त, जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, समस्त जिला स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

बजट: प्रदेश को पिछली बार से 7948 करोड़ रुपए मिलेंगे ज्यादा

ब्याज मुक्त कर्ज की घोषणा से प्रदेश में पर्यटन को लगेंगे पंख

■ बजट को कांग्रेस ने बताया दिशाहीन तो भाजपा ने कल्याणकारी

बेधड़क | जयपुर

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से गुरुवार को संसद में पेश किए गए अंतरिम बजट में प्रदेश के लिए पहले से ज्यादा राशि का प्रावधान किया गया है। इससे प्रदेश को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से काफी लाभ मिलेगा। बजट में पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले इस बार सूबे को 7948 करोड़ रुपए ज्यादा मिलेंगे। यानि 12.12 फीसदी अधिक राशि मिलेगी।

सरकार इस बार केंद्रीय करों के हिस्से से 73 हजार 504 करोड़ रुपए देगी। जबकि पिछली बार केंद्रीय करों से 65 हजार 556 करोड़ रुपए ही दिया गया था। साथ ही अंतरिम बजट में पर्यटन स्थलों के विकास के लिए ब्याज मुक्त कर्ज देने की घोषणा की गई है।

राजधानी जयपुर सहित जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, उदयपुर, भरतपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों के विकास के लिए फंड उपलब्ध होगा। राज्यों को आईकॉनिक टूरिस्ट सेंटर डवलप करने और वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रॉडिंग और मार्केटिंग करने के लिए लॉन्ग टर्म कर्ज मिल सकेगा। गौरतलब है कि 25 जनवरी को राजधानी जयपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रोड शो किया था। अंतरिम बजट में पर्यटन स्थलों के विकास के लिए ब्याज मुक्त कर्ज देने की घोषणा को इस दौरे से जोड़कर देखा जा रहा है। सीएम भजन लाल शर्मा ने ओटीएस में आम बजट को टीवी स्क्रीन पर देखा।

रेलवे के लिए राजस्थान को 9,782 करोड़

इस वर्ष के बजट में राजस्थान को रेलवे के लिए 9782 करोड़ रूपए का बजट आवंटन किया गया है जो अभी तक बजट आवंटन में सबसे ज्यादा है। जबकि इससे पहले कांग्रेस सरकार में 2009-14 में 682 करोड़ रुपए मिलते थे। यह बात रेलमंत्री अश्विनी वैष्णण ने आम बजट के बाद रेलवे के लिए किए गए प्रावधानों की जानकारी वीसी के जरिए प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही। उत्तर पश्चिम मुख्यालय में इसका प्रसारण किया गया। इस दौरान रेलमंत्री ने कहा कि राजस्थान में 53 हजार करोड़ रुपए के निवेश से बहुत तेजी से कार्य किया जा रहा है। राजस्थान में 98 प्रतिशत रेल लाइनों को विद्युतीकरण का कार्य किया जा चुका है, 85 रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। राजस्थान में रेलवे ट्रैक पर 1367 फ्लाईओवर और रोड़ अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक स्टेशन-एक उत्पाद की 54 स्टॉल संचालित हो रही है। रेलमंत्री ने बताया कि स्टेशनों पर बहुत अधिक फुटफॉल रहती है तो स्थानीय उत्पादों को अच्छा रेस्पांस मिल रहा है और स्टॉल संचालकों की आमदनी भी बढ़ रही है। अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान में रेल परियोजनाओं को पर्याप्त बजट के माध्यम से लक्षित समय में पूरा करने की बात कही।

> अंतरिम बजट सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की अवधारणा को प्रस्तुत करता है। यह बजट आम जनता का बजट है जो भारत के जन-जन के भविष्य को निखारेगा।
>
> **मुख्यमंत्री,** भजनलाल शर्मा

> सरकार ने बजट में महंगाई से निपटने का कोई तरीका नहीं बताया है। इसलिए यह दिशाहीन बजट है।
>
> **गोविंद सिंह डोटासरा,** कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष

> ये बजट हिंदुस्तान के आधारभूत संरचनाओं को पंख लगाएगा। बजट महिलाओं, उद्यमियों, सामान्य वर्ग, किसान और युवाओं के लिए समर्पित है। एक करोड़ गरीब घरों में 300 यूनिट फ्री बिजली से गरीबी उन्मूलन होगा।
>
> **राजेंद्र सिंह राठौड़,** भाजपा नेता

> बजट में वोट की राजनीति नहीं, हर वर्ग के सपने पूरे होने की पीएम मोदी की गारंटी है। जिन पर देश भरोसा करता है।
>
> **गजेंद्र सिंह शेखावत,** केंद्रीय जलशक्ति मंत्री

'सच बेधड़क' की खबर का असर

उज्ज्वला कनेक्शन रिलीज करने की शुरू हुई कार्रवाई

बेधड़क | जयपुर

सच बेधड़क
01 फरवरी को प्रकाशित

गैस कंपनियों की ओर से उज्ज्वला गैस कनेक्शन रिलीज करने में की जा रही देरी के मामले को दैनिक 'सच बेधड़क' समाचार पत्र ने गुरुवार को देरी पड़ रही भारी... उज्ज्वला कनेक्शन का इंतजार जारी' शीर्षक से खबर प्रकाशित कर प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद गैस कंपनियां हरकत में आईं और कई दिनों से कनेक्शन का इंतजार कर रही आवेदन करने वाली महिलाओं को कनेक्शन रिलीज करने के लिए मंजूरी दे दी। जयुपर जिले में गैस एजेंसियों की ओर से कनेक्शन रिलीज करने कार्रवाई शुरू हुई। अब आवेदक महिलाओं को गैस कनेक्शन मिलने की उम्मीद जगी है। साथ ही खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव भास्कर ए सावंत ने गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों को इस समस्या को पूर्ण रूप से 7 दिन में निस्तारित करने को कहा है। गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों व एलपीजी फैडरेशन के सदस्यों के साथ गुरुवार को हुई बैठक में यह निर्देश दिए गए। बैठक में उज्ज्वला गैस सब्सिडी ट्रांसफर भी गुजरात मॉडल पर करने की सहमति हुई है। इसके लिए डाटा संग्रह का कार्य शीघ्रता से प्रारंभ होगा। बैठक में तीनों गैस कंपनियों के प्रतिनिधि और एलपीजी फेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. दीपक सिंह गहलोत, राकेश रस्तोगी, संदीप भारद्वाज, संजीत जयसवाल, राकेश पहाड़िया, अजय सोनी, निश्छल सीडाना और विक्रम सिंह शेखावत आदि उपस्थित रहे। बैठक में उज्ज्वला कनेक्शन के बैकलोग व टाइमबाउंड कनेक्शन जारी करने की सहमति पर तेल कंपनियों को निर्देशित किया गया। गैस डीलर अब केवल राशन कार्ड व उसमें दर्ज परिवार के आधार पर डाटा अपलोड करना होगा।

> प्रदेश में उज्ज्वला गैस कनेक्शन को लेकर गैस कंपनियां गंभीर है। फिर भी किसी प्रकार की समस्या आ रही है तीनों कंपनियों में समन्वय बनाते हुए निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा। पात्र आवेदक महिलाओं को जरूर कनेक्शन दिए जाएंगें।
>
> **आलोक कुमार पांडा,** राज्य समन्वयक एसएलसी, इंडियन ऑयल, जयपुर।

सरकार ने जारी की नई आवकारी नीति

पुरानी दुकानें ही होगी रिन्यू

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार ने प्रदेश की नई आबकारी नीति जारी कर दी है। हालांकि नई आबकारी नीति में पुराने प्रावधानों का रूप ही दिखाई दिया है। शराब की मौजूदा दुकानों को ही 31 मार्च 2025 तक के लिए रिन्यू किया जाएगा। नए सिरे से आवेदन लेकर लॉटरी नहीं होगी। दुकानों की संख्या भी पहले जितनी ही रहेगी। सालाना गारंटी राशि में 10 फीसदी बढ़ोतरी की गई है। नई आबकारी नीति में आबकारी शुल्क, लाइसेंस फीस में किसी तरह की बढ़ोतरी नहीं की गई है। हर महीने शराब बेचने के टारगेट में भी छूट दी गई है। दुकानों के लिए हर महीने गारंटी के मासिक उठाव और किसी महीने में ज्यादा उठाव पर अगले महीनों से उसे एडजस्ट करने का प्रावधान होगा। लाइसेंसधारी अपनी गारंटी पूर्ति करने के लिए दूसरे लाइसेंसधारी को ट्रांसफर करने की अनुमति मिलेगी। शराब की हर दुकान के लिए दो गोदाम की मंजूरी दी जाएगी।

पर्यटन के लिए अहम क्षेत्रों में होटल-बार लाइसेंस फीस में कमी की गई है। जैसलमेर और कुंभलगढ़ क्षेत्र में होटल बार लाइसेंस फीस में कमी होगी। शराब फैक्ट्रीज 25 प्रतिशत फीस के साथ लाइसेंस नवीनीकरण कराने का प्रावधान किया है।

सात आईपीएस को जिलों मे लगाया

जयपुर। राज्य सरकार ने एपीओ 7 आईपीएस के तबादले किए हैं। सभी को जिलों में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर लगाया है। इन अधिकारियों में आईपीएस अमित जैन को जायल नागौर, शाहीन सी को सीकर, रमेश को सदर सर्किल बीकानेर, प्रशांत किरण को वृत राजगढ़ चुरू, बी आदित्य को वृत श्रीगंगानगर, अभिषेक अंडासू को पूर्व जोधपुर आयुक्तालय और मनीष कुमार को वृत मावली उदयपुर में पोस्टिंग दी गई है।

कार्मिक विभाग ने किए 17 आईएएस के तबादले

गौरव गोयल बने राज्यपाल के सचिव

■ विजय पाल सिंह को बनाया आयुक्त संस्कृत शिक्षा विभाग

बेधड़क | जयपुर

कार्मिक विभाग ने 17 आईएएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इनमें सुबीर कुमार प्रमुख शासन सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, भवानी सिंह देथा प्रमुख शासन सचिव, आयोजना, (जनशक्ति और गजेटियर्स) सांख्यिकी विभाग, विकास एस भाले प्रमुख शासन सचिव पशुपालन मत्स्य एवं गौ-पालन विभाग, डॉ. पृथ्वीराज शासन सचिव श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण एवं चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाएं (ईएसआई) विभाग, पीसी किशन शासन सचिव कौशल एवं उद्यमिता रोजगार विभाग, गौरव गोयल सचिव राज्यपाल, विजय पाल सिंह आयुक्त संस्कृत शिक्षा विभाग, रश्मि गुप्ता शासन सचिव गृह विभाग, विश्राम मीणा निदेशक एवं पदेन विशिष्ठ शासन सचिव जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, नेहा गिरि प्रबंध निदेशक राजस्थान चिकित्सा सेवा निगम, अनुपमा जोरवाल प्रबंध निदेशक राजस्थान पर्यटन विकास निगम, मुकुल शर्मा संयुक्त शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, सुरेश ओला निदेशक एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव, स्थानीय निकाय विभाग, प्रियंका गोस्वामी मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टेट हैल्थ एश्योरेन्स ऐजेंसी, किशोर कुमार निदेशक सिविल एविएशन एवं उप मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी सामान्य प्रशासन विभाग एवं कंट्रोलर सर्किट हाउस एवं नियंत्रक पदेन संयुक्त सचिव, स्टेट मोटर गैराज विभाग, महेंद्र खड़गावत निदेशक, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, गिरधर संयुक्त शासन सचिव, उर्जा विभाग के पद पर लगाया गया है।

इसके अलावा आईएएस भवानी सिंह देथा प्रमुख शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजन विशाल शासन सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, जन अभियोग निराकरण, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग, मुकुल शर्मा शासन सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, जन अभियोग निराकरण, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

एसीबी में मामला दर्ज

मृतकों के नाम से पीएल और वेतन के 1.39 करोड़ रुपए का गबन

■ जलदाय विभाग के 24 अफसर-कर्मचारियों 25 के खिलाफ मामला दर्ज

■ वर्ष 2007 से 2017 के दौरान हुआ वेतन, एरियर आदि का अनियमित भुगतान

बेधड़क | जयपुर

जलदाय विभाग के अफसरों ने मृतक व रिटायर्ड कर्मचारियों के नाम से वेतन व 300 दिन का उपार्जित अवकाश (PL) के 1.39 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि का गबन कर दिया। मामला जलदाय विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय जवाहर नगर जयपुर का है। एसीबी ने तीन साल की जांच के बाद अब विभाग के 24 अफसर-कर्मचारियों सहित 25 जनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी अफसरों ने मृतकों के नाम से भी प्राइवेट व्यक्ति के बैंक खाते में राशि जमा कराई और रिटायर्ड कर्मचारियों को भी वेतन का भुगतान कर दिया। तत्कालीन एईएन नरेन्द्र कुमार वर्मा, विजय पारीक व रजनीश बैरवा, तत्कालीन बिल लिपिक दीपक विजयवर्गीय और तत्कालीन संस्थापन लिपिक ज्ञानचंद मीणा ने एक प्राइवेट व्यक्ति समेत सहायक, पंप चालक, रिटायर्ड सहायक, रिटायर्ड पंप चालक, मीटर निरीक्षक, रिटायर्ड मीटर निरीक्षक व मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को यह भुगतान किया। इस संबंध में 6 जून 2018 को राजस्थान संपर्क पॉर्टल पर उल्लास जैन ने शिकायत की थी।

■ अनियमित भुगतान को प्राइवेट लोगों के बैंक खातों में जमा कराया

इनको किया गया भुगतान

आरोपी अधिकारियों ने पीएचईडी के सहायक रमेश मीणा, गोविंद सिंह, पप्पूलाल, सुवालाल, लक्ष्मण महावर, किशन शर्मा, जगदीश नारायण मीणा, श्योराम मीणा, पंप चालक सीताराम चांवरिया, कजोड़, छोटूराम मीणा, बद्रीलाल मीणा, रिटायर्ड सहायक सेवाराम, रिटायर्ड पंप चालक मुलचंद सैनी, रिटायर्ड पंप चालक गोपाल सैनी, रिटायर्ड मीटर निरीक्षक मदनलाल रैगर, सत्यनारायण विजय और प्राइवेट व्यक्ति गिर्राज मीणा के बैंक खाते में किया है। एसीबी ने इन सभी को भी आरोपी बनाया है।

मृतकों के नाम से किया भुगतान

जांच में पता चला कि विभाग में इकबाल सहायक के पद पर कार्यरत था। उसके 97 दिन के उपार्जित अवकाश के बाद भी 300 दिन की पीएल का भुगतान सहायक कर्मचारी रमेश मीणा के बैंक खाते में कर दिया। आरोपियों ने मृतक सहायक दरबार सिंह के नाम से वेतन जारी करके प्राइवेट व्यक्ति गिर्राज मीणा के बैंक खाते में राशि जमा करा दी। सहायक डूंगर सिंह मीणा की मौत के बाद उसके नाम से वेतन उसके आश्रितों के बैंक खाते में जमा करा दिया। यही नहीं फीडर गोपाल की मौत के बाद भी उसके नाम से वेतन प्राइवेट व्यक्ति गिर्राज मीणा के खाते में जमा कराया।

पीएम का 300-300 दिन का भुगतान

एसीबी की जांच में सामने आया कि सहायक डूंगर सिंह मीणा के उपार्जित अवकाश 120 थे, लेकिन अफसरों ने 300 दिन का भुगतान सहायक कर्मचारी रमेश मीणा के बैंक खाते में जमा करा दिया। सहायक कर्मचारी सेवाराम के शून्य पीएल थी, लेकिन अफसरों ने रमेश मीणा के बैंक खाते में 300 दिन की पीएल का भुगतान कर दिया। मीटर निरीक्षक सत्यनारायण विजय रिटायर हो गया, लेकिन उसके बाद भी वेतन का भुगतान होता रहा। इसी प्रकार पंप चालक बद्रीलाल मीणा के अनुपस्थित होने पर भी वेतन का भुगतान किया गया।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 54 जयपुर, शुक्रवार, 02 फरवरी, 2024 | माघ, कृष्ण पक्ष- सप्तमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

झलकियां

उत्सवी सेल्फी: लिट फेस्ट में पहले दिन यंगस्टर्स ने शिरकत की और यादों को संजोया।

बॉलीवुड @ लिट फेस्ट: उत्सव में बॉलीवुड की मौजूदगी एक्टर आशीष विद्यार्थी के रूप में रही।

पॉलिटिकल वॉक: फेस्ट में राजनीतिज्ञ भी हुए शामिल। सचिन पायलट ने सुने सेशन।

खास अंदाज: फेस्ट में युवाओं ने खास अंदाज में अपनी मौजूदगी दर्शाई। खास पोज देती युवतियां।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com पर E- Mail करें।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल: बाल-ओ-पार...द बीटिंग हार्ट ऑफ पोइट्री सत्र में मशहूर गीतकार और शायर गुलजार ने जीते दिल

दो परफ्यूम मिलाने पर मात्रा कम हो सकती है... खुशबू नहीं

बेधड़क | जयपुर

मशहूर शायर और गीतकार गुलजार ने कहा कि एक परफ्यूम की बोतल को दूसरे परफ्यूम की बोतल में डाला जाता है तो उसका लिक्विड कम हो जाता है। मेरा मानना है उसकी खुशबू कम नहीं होती, मैंने यह महसूस किया है। गुलजार गुरुवार को जेएलएफ में बाल-ओ-पार : द बीटिंग हार्ट ऑफ पोइट्री सत्र में बोल रहे थे। उनकी रक्षंदा जलील और पवन के. वर्मा के साथ बातचीत हुई। इस दौरान गुलजार ने कहा कि आप सभी का शुक्रिया जो आप मुझे अब तक बर्दाश्त कर रहे हैं। मेरी यह बुक पढ़ने के अलावा वर्जिश करने के भी काम आएगी। ऐसी ही एक और बुक आ रही है। दोनों के साथ अच्छे से वर्जिश होगी। गुलजार ने कहा कि अल्फाज का जब चुनाव करना होता है, तो कई पहलू देखता हूं। अनुवाद में 'बुडबुड' को कैसे ट्रांसलेशन करें, यह रक्षंदा पूछती थी। मैं कहता था कुछ शब्द लोगों के लिए छोड़ देना चाहिए। गुलजार बोले, मेरी कई स्टूडेंट्स से बहस होती थी कि आपकी पोइट्री कंटेंपरेरी नहीं होती, वह आज की जिंदगी से ताल्लुक नहीं रखती है। यह बात मुझे परेशान करती रही, फिर मैंने खुद पर टेस्ट किया। मैंने फिर कंटेंपरी पोइट्री लिखी। देश की 34 भाषाओं के साहित्यकारों की पोइट्री को मैंने ट्रांसलेट किया और उसे रिलीज किया। इस सत्र में अनुवाद की कला, उसकी चुनौतियों और लेखक व अनुवादक के रिश्ते पर भी बात हुई।

अप्रकाशित रचनाओं का संकलन

सत्र की शुरुआत में हरदिल अजीज गुलजार ने अपने नए काव्य-संग्रह के बारे में कहा कि ये उनकी अप्रकाशित रचनाओं का संकलन है और अभी भी उनकी इतनी सारी रचनाएं अप्रकाशित हैं कि उनसे इतनी ही बड़ी एक और किताब बन सकती है।

'कभी रूह को महसूस किया है'

इस दौरान गुलजार ने कविता- रुह देखी है।

रूह देखी है? कभी रूह को महसूस किया है?

जागते जीते हुए दूधिया कोहरे से लिपट कर।

साँस लेते हुए उस कोहरे को महसूस किया है?... सुनाई।

गुलजार ने यूं सीखा वीडियो कॉल

बुक की अनुवादक रक्षंदा जलील ने कहा कि इस बुक के कारण गुलजार ने वीडियो कॉल करना सीखा। मैं दिल्ली में रहती हूं और गुलजार मुंबई रहते है। ट्रांसलेशन के दौरान गुलजार साहब से वीडियो कॉल पर बात होती थी। गुलजार की कई अन्य रचनाओं का अनुवाद कर चुके पवन के. वर्मा ने बताया कि कविता का अनुवाद सबसे जटिल है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन मीडिया से बोले...

हमारे देश में बसते हैं दो भारत

चुनाव पूर्व ईडी का इस्तेमाल अलोकतांत्रिक, दस साल में गिरा है रोजगार का ग्राफ

बेधड़क | जयपुर

दुनिया के जाने-माने अर्थशास्त्री और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि हमारे देश में दो भारत हैं। इनमें एक ऐसा है, जो चीन से ज्यादा तेजी से चल रहा है, जबकि दूसरा भारत ऐसा है, जहां 80 करोड़ लोगों को खाने के पैकेट देने पड़ रहे हैं। हमें स्किल, एजुकेशन और मेडिकल सेक्टर पर ध्यान देना होगा। तभी भारत आर्थिक उन्नति कर पाएगा और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ईडी का इस्तेमाल अलोकतांत्रिक हैं। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में गुरुवार को पहले दिन राजन ने अपने सेशन के बाद मीडिया से बातचीत में विभिन्न राज्यों में हो रही ईडी की कार्रवाई के संबंध में कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक खतरा है। सिर्फ विपक्षियों को जेल में डाल देने से ही सब कुछ नहीं होगा। अगर विपक्षी ही जेल में होंगे तो फिर लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव में जनता के पास चुनने का क्या विकल्प रह जाएगा। यह मामला सिर्फ पॉलिटिशियन के लिए नहीं, बल्कि हर भारतीय को प्रभावित करने वाला है। उनके साथ अमेरिका की पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के सहायक प्रोफेसर तथा न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी-अबूधाबी में विजिटिंग असिस्टेंट प्रोफेसर रोहित लांबा भी थे। राजन और लांबा ने बेरोजगारी के सवाल पर कहा कि देशभर में एजुकेशन सिस्टम को लेकर कोई ऐसी पॉलिसी तैयार होनी चाहिए, जिससे स्टूडेंट्स को यह पता हो कि उन्हें यहां तक पढ़ने से इस तरह की जॉब और पैकेज मिलेगा।

सभी फोटो पंकज शर्मा

फ्रीबीज की बजाय शिक्षा व कौशल जरूरी

विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के दावों के बीच 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन देने के सवाल पर राजन ने कहा, 'फ्रीबीज' की बजाय यदि शिक्षा और कौशल पर ध्यान दिया जाए तो लोग शिक्षित होंगे और स्कील के बूते अपने पैरों पर खड़े होंगे। उन्होंने महंगी शिक्षा की बात पर दिल्ली के सरकारी स्कूलों दिल्ली के सरकारी स्कूलों और मोहल्ला क्लिनिक के मॉडल का अध्ययन कर उसे अपनाने की बता कही।

राज्यों को उनके हिस्से की जीएसटी राशि नहीं मिल रही

राज्यों में बढ़ते कर्ज के सवाल पर रोहित लांबा ने कहा कि एक तरफ तो हम बात करते हैं राज्यों का कर्ज बढ़ने की, वहीं दूसरी ओर जीएसटी में उनका हिस्सा नहीं दिया जा रहा है, या अगर दिया जा रहा है तो उसी राज्य को जहां केंद्र के माफिक सरकार है। विपक्षी दलों की सत्ता वाले राज्यों को उनका जीएसटी का हिस्सा मिलता तो कर्ज इतना नहीं बढ़ता।

लोग फिर एग्रीकल्चर की ओर जा रहे हैं

उन्होंने कहा कि इंडिया में तेजी से बेरोजगारी बढ़ रही है। पिछले दस वर्षों में रोजगार का ग्राफ काफी गिरा है। अगर 7 परसेंट की ग्रोथ हुई है तो वो एग्रीकल्चर में हुई है। आज लोग एग्रीकल्चर में वापस जा रहे हैं। क्योंकि उनके पास बाहर पर्याप्त जॉब्स नहीं हैं। जो लोग इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, उन्हें ट्रेंड करें। जो कंपनी को आने के लिए अट्रैक्ट करने में जरूरी है। उसके लिए ट्रेनिंग दी जानी चाहिए।

लोगों को मन बदलने का अवसर देता है लोकतंत्र

भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और लेखक एसवाई कुरैशी ने कहा कि जब हमने लोकतंत्र को चुना था, तो यह वास्तव में एक प्रयोग ही था। सबको लगा था कि यह गलत कदम साबित होगा, क्योंकि हमारी 70% से अधिक आबादी निरक्षर थी। ये सच में एक एक्सपेरिमेंट ही था। कुरैशी 'द ग्रेट एक्सपेरिमेंट' सत्र में भारत में लोकतांत्रिकता पर बात कर रहे थे। सत्र में जोर दिया गया एक वोट या एक पल देश में राजनीतिक पावर को सुनिश्चित नहीं कर सकता, लेकिन लोकतंत्र लोगों को अपना मन बदलने का अवसर देता है। यस्वा ने कहा कि जब राजनेता कहते हैं कि मैं ही जनता का सच्चा प्रतिनिधि हूं तो मेरे हिसाब से वे सिस्टम को धोखा दे रहे हैं।

डिप्टी सीएम दीया ने किया उद्घाटन

जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य का मंच JLF

बेधड़क | जयपुर

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर साहित्यिक समुदाय के साथ जुड़ते हुए जयपुर के जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य का आनंद प्रदान करने के लिए जेएलएफ एक उपयुक्त मंच है। यह फेस्टिवल न केवल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है, बल्कि भारत में साहित्यिक पर्यटन को भी प्रोत्साहन प्रदान करता है। विश्व भर से पर्यटक अब इस फेस्टिवल के अनुरूप ही अपनी यात्राएं आयोजित करते हैं, ताकि वे इस उत्सव का हिस्सा बन सकें।' वे गुरुवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि मैं इसकी शुरुआत के बाद से इसका हिस्सा बनकर प्रसन्न महसूस कर रही हूं। आयोजकों ने जेएलएफ के साथ जयपुर को विश्वभर में पहचान दिलाई है। पर्यटन की दृष्टि से लिटरेचर फेस्टिवल का योगदान,जयपुर शहर में पर्यटन विभाग द्वारा पूरे वर्ष में किए गए योगदान से भी अधिक है।

दर्शकों के लिए त्योहार की तरह

दिया कुमारी ने कहा कि जेएलएफ की विशेषताओं में से एक विविध प्रकार की आवाजों और दृष्टिकोणों को प्रदर्शित करने की प्रतिबद्धता है। यह फेस्टिवल भारत और विश्व भर से प्रशंसित लेखकों, कवियों, विचारकों और सांस्कृतिक आइकन्स को एक साथ लाता है। शैलियों, भाषाओं और संस्कृतियों को कवर करते हुए प्रोग्रामिंग की समावेशिता ने वैश्विक दर्शकों के लिए त्योहार की तरह बना दिया है।

साहित्य ही लोगों को करीब लाता है

फेस्टिवल के प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय ने अपने कहा कि वर्तमान में साहित्य ही है जो लोगों को एक-दूसरे के करीब लाता है। फेस्टिवल की फाउंडर व को-डायरेक्टर, नमिता गोखले ने कहा कि ये फेस्टिवल हमारी बदलती दुनिया को समझने का प्रयास है। फाउंडर व को-डायरेक्टर विलियम डेलरिम्पल ने कहा कि लिटरेचर फेस्टिवल एक बड़े मूवमेंट के रूप में उभरा है।

शुभारंभ समारोह में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सह-संस्थापक संजॉय के रॉय, को-डायरेक्टर नमिता गोखले और विलियम डेलरिम्पल, एमडी क्लार्क्स ग्रुप ऑफ होटल्स, अपूर्व कुमार, सैमसंग इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुलन और एमडी और सीईओ एयू बैंक संजय अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

'क्रिकेट: द स्पिरिट ऑफ द गेम' सत्र में टीम इंडिया के पूर्व स्टार अजय जडेजा बोले...

कपिल देव हमारे लिए 'देवों के देव' हुआ करते थे... उनके जैसा कोई नहीं

बेधड़क | जयपुर

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और स्टार बैटर अजय जडेजा का कहना है कि आज क्रिकेट लवर के लिए विश्व विजेता कप्तान कपिल देव सिर्फ कपिल देव हैं, लेकिन हमारे लिए कपिल देव 'देवों के देव' हुआ करते थे। उन्होंने भारतीय टीम के लिए न सिर्फ शानदार पारियां खेली हैं, बल्कि टीम को एक मजबूत स्थिति में भी खड़ा किया। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ खेलने का मौका मिला। जडेजा ने साफ-साफ कहा कि कपिल देव जैसा खिलाड़ी न था, न है और न होगा।

जडेजा ने बताया कि कपिल देव के वक्त जब हमारी टीम जिम्बाब्वे में खेल कर साउथ अफ्रीका के दौरे पर गई थी। मैच से पहले हमने प्रैक्टिस शुरू की, तब एक बॉल कपिल की आंख पर लग गई। उन्हें 12 टांके आए। अगर आज का दौर होता तो इस हालत में कोई क्रिकेटर मैदान में भी नहीं उतरता, लेकिन, कपिल देव ने 12 टांकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया।

पहले खेलने विदेश जाते वक्त स्ट्रेटजी नहीं बनती थी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजय जडेजा ने कहा कि अब और पहले के क्रिकेट में काफी फर्क आ गया है। पहले जब भारतीय टीम विदेश दौरे पर जाती थी, तब जाने से पहले टीम वहां की कंडीशन को लेकर कोई खास स्ट्रेटजी नहीं बनती थी। तब हम लोग सिर्फ एक्सपीरियंस और अपॉर्च्युनिटी के लिए बाहर जाया करते थे, जहां देश के लिए खेलने के साथ ही कपिल देव जैसे खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिले।

वसीम अकरम के जैसी पेस और स्विंग किसी के पास नहीं थी

अजय जडेजा ने कहा कि इस मंच पर यह कहना मुझे नहीं लगता पॉलिटिकली कितना सही होगा, लेकिन दुनिया भर में सबसे शानदार और घातक गेंदबाज मुझे पाकिस्तान के वसीम अकरम लगते हैं। उन जैसी फास्ट बॉलिंग और रिवर्स स्विंग उस वक्त कोई और नहीं कर पाता था। उन जैसी पेस और लाइन-लेंथ किसी और के पास नहीं थी।

रणजी पर लिखी किताब

पूर्व क्रिकेटर जडेजा ने कहा कि रणजी ट्रॉफी के बारे में यहां मौजूद सब लोग जानते हैं, लेकिन रणजी ट्रॉफी किसके नाम से शुरू हुई, उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए मैंने रणजीत सिंह जी को लेकर एक किताब लिखी है, ताकि आम जनता यह जान सके कि रणजी ट्रॉफी क्यों और किसके नाम से शुरू हुई।

जरूरी खबर

बाल कल्याण समिति करेगी 'राघव' की देखभाल

चित्तौड़गढ़। आकोला थाना के कानड़ खेड़ा गांव में लावारिस मिले नवजात शिशु को स्वस्थ होने के बाद गुरुवार को बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया। उसका जिला चिकित्सालय में 17 दिन तक इलाज चला। समिति ने नवजात का नाम राघव रखा है। महिला एवं बाल चिकित्सा यूनिट के प्रभारी डॉ. जय सिंह के अनुसार जन्म के कुछ घंटे बाद ही नवजात को लावारिस हालत में छोड़ दिया। तेज ठंड के कारण बच्चे के शरीर का तापमान काफी कम हो गया। मदर मिल्क बैंक से दूध उपलब्ध करवाकर उसके न्यूट्रीशन का ध्यान रखा गया।

गीता भवन रोड पर मांस की अवैध दुकानें हटाई

कोटा। नगर निगम कोटा उत्तर की अतिक्रमण विरोधी टीम ने गुरुवार को सरोवर तालाब के पास गीता भवन रोड पर अवैध अतिक्रमण हटाया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस जाब्ता भी मौजूद रहा। अतिक्रमण निरोधक दस्ता सीआई गंगा सहाय के नेतृत्व में कार्रवाई करने पहुंचा। मौके पर लोगों ने अतिक्रमण कर कच्ची-पक्की दुकानें बना ली थीं, वहीं अवैध रूप से सड़क किनारे नॉनवेज भी बेचे जा रहे थे। शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। कई दुकानदारों ने दुकानों का सामान भी सड़क किनारे तक लगा रखा था, जिसे हटाया गया। यहां अवैध निर्माण कर नॉनवेज रेस्टोरेंट भी चलाया जा रहा था, जिसे बंद करवाया गया।

51 बेटियों को नारी शक्ति अवॉर्ड से किया सम्मानित

बाड़मेर। शहर के भगवान महावीर टाउन हॉल में टीम बाड़मेर की ओर से नारी शक्ति अवॉर्ड 2024 और बाड़मेर गौरव सम्मान का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने पर बाड़मेर की 51 बेटियों को नारी शक्ति अवॉर्ड से नवाजा गया। इस दौरान चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल ने कहा कि इससे नारी शक्ति और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित होंगी। उन्होंने कहा कि समय-समय पर जिला स्तर पर ऐसे कार्यक्रम होने चाहिए, इससे लोगों के व्यक्तिव विकास के साथ जिले की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा।

जोधपुर दौरे पर पहुंचे पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा...

मुझे यह अधिकार नहीं, संगठन में जो भूमिका मिलेगी निभाऊंगा

बेधड़क | जोधपुर

भाजपा नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे। वे यहां पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह की पत्नी चित्रा सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इससे पूर्व वे मीडिया से मुखातिब हुए।

इस दौरान लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा- मैं लोकसभा चुनाव नहीं लड़ सकता, एक पराजित व्यक्ति को ये अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस भूमिका में संगठन रखेगा, वह उसमें रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज जहां मैं हूं, कल कोई और था। ये भी एक दौर है, वो भी एक दौर था।

पूर्व सरकार के घोटालों पर चर्चा करते हुए राठौड़ ने कहा कि हमारी सरकार इनकी जांच करेगी। पेपर लीक के खिलाफ टास्क फोर्स बनाकर कार्रवाई की गई।राठौड़ ने कहा कि सरकार का आगाज बड़ा शानदार रहा। जिन मुद्दों को लेकर जनता के सामने गए थे, उन मुद्दों पर भजनलाल सरकार काम कर रही है। पिछली सरकार ने राज्य को आर्थिक आपातकाल की स्थिति में धकेल दिया था। बिना बजट के योजनाएं बना दी। इसके चलते प्रदेश पर लाखों करोड़ से ज्यादा का कर्ज है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पूर्व कांग्रेस सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई थी। इसका खामियाजा प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ा, लेकिन जनता ने चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखा दिया।

राठौड़ ने कहा कि चार साल तक कांग्रेस को जनता की याद नहीं आई। वहीं आखरी चुनावी साल में योजनाओं की ताबड़तोड़ घोषणाएं करते हुए रेवड़ियां बांटने का काम किया गया। चुनावी लाभ उठाने के लालच में कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को कर्ज के बोझ तले दबा दिया। हमारी सरकार अब कांग्रेस राज की योजनाओं की समीक्षा कर रही है।

खिलाड़ियों को टी-शर्ट बांटने में भी घोटाला

पूर्व कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने खेलों में प्रदेश को अग्रणी बनाने के नाम पर भी घोटालेबाजी की। भ्रष्टाचार को लेकर पिछली सरकार के मंत्रियों पर कारवाई के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि मंत्रियों की बात नहीं, जिस तरह भ्रष्टाचार के पत्ते खुलते हैं उन पर कारवाई होगी। उन्होंने कहा कि कोई कल्पना नहीं कर सकता कि 125 करोड़ से ज्यादा की टी-शर्ट बांट दी जाए, मेडिकल हेल्थ स्कीम में घोटाला हो, सरकारी उपक्रम का दुरुपयोग हो। इन सब मामलों की जांच के बाद दोषियों पर कारवाई होगी। उन्होंने स्कूल में हिजाब को लेकर कहा कि स्कूल में यूनिफॉर्म एक समान होनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर कुछ भी बोल रहे डोटासरा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा की ओर से लगाए गए आरोपों को लेकर राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि व्यक्तिगत आरोप लगाना डोटासरा की आदत में शुमार है। वो पांच साल तक सरकार को लिए बैठे रहे। मैं उपनेता और नेता प्रतिपक्ष रहा, तब सदन में उनके आरोप का जवाब देता था। अब वे सोशल मीडिया पर कुछ भी बोल रहे है। बजरी, टोल या खनन में मैंने दुरुपयोग किया, इसका उनके पास क्या प्रमाण है। राठौड़ ने कहा मैं व्यक्तिगत टिपणी नहीं करना चाहता। मैं अपनी हार को स्वीकार करता हूं। हार और जीत सिक्के के 2 पहलू हैं।

स्पीकर देवनानी ने लिया फिल्टर प्लांट की व्यवस्थाओं का जायजा

फॉयसागर से अजमेर में सप्लाई होगा मीठा पानी, तैयारियां शुरू

बेधड़क | अजमेर

जिले में पेयजल परेशानी के समाधान को लेकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एक्शन मोड पर हैं। अजमेर जिले में फॉयसागर झील से जल्द ही मीठे पानी की सप्लाई शुरू की जाएगी। इसको लेकर गुरुवार को देवनानी ने अधिकारियों के साथ फॉयसागर रोड स्थित फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

देवनानी के निर्देश के बाद अजमेर को फॉयसागर से पानी सप्लाई के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। देवनानी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गर्मी से पहले संपूर्ण पेयजल प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता से सुचारू किया जाए। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अजमेर शहर में पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए महत्वपूर्ण बैठक भी ली।

सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में पेयजल आपूर्ति में सुधार करने एवं दीर्घकालिक प्रबंधन को लेकर अधिकारियों से चर्चा की।

इसके बाद देवनानी ने वैशाली रोड फिल्टर प्लांट पर जाकर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

देवनानी ने फॉयसागर झील से शहर में होने वाली जलापूर्ति की व्यवस्थाओं को खुद देखा और अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जल आपूर्ति का खाका इस तरह से तैयार किया जाए कि प्रत्येक क्षेत्र को पर्याप्त मात्रा में पेयजल सप्लाई मिल सके। अधिकारियों ने देवनानी को बताया कि फॉयसागर से 3 एमएलडी पानी लिया जाएगा। साथ ही पानी को समान रूप से वितरित करने की व्यवस्था की जाएगी।

अमृत योजना के दोबारा तैयार करें प्रस्ताव

देवनानी ने अधिकारियों से कहा कि जलापूर्ति में सुधार के साथ ही भविष्य को देखते हुए भी योजना तैयार की जाए। इसके लिए अमृत योजना फेज द्वितीय के तहत पूर्व में तैयार किए गए प्रस्तावों को दोबारा तैयार किया जाए और उन्हें शहर की आवश्यकताओं के अनुरूप दोबारा डिजाइन किया जाए। देवनानी ने अधिकारियों को कहा कि शहर में लीकेज को तुरंत सुधारा जाए एवं जलापूर्ति के समय सभी स्तर के अधिकारी खुद पेट्रोलिंग करें। साथ ही इन क्षेत्रों में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तुरंत तैयार कर पेयजल की आपूर्ति करवाई जाए। उन्होंने कहा कि अवैध कनेक्शन और अवैध बूस्टरों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

अधिकारियों ने बताया जल वितरण प्लान

अधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को जानकारी दी कि वर्ष 2010 तक फॉयसागर झील से जल उपलब्धता के अनुसार प्रतिदिन 10 से 15 घंटे जल वितरण किया जाता रहा था। बीसलपुर द्वितीय फेज आरंभ होने के बाद फॉयसागर के जल का पेयजल आपूर्ति के लिए उपयोग नहीं हो पाया। अब फिल्टर प्लांट से 8 महीने के लिए 8 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जा सकती है। झील से फिल्टर प्लांट तक पाइपलाइन की हाइड्रो टेस्टिंग की जा रही है। इसी तरह शहर के प्रमुख कुएं और बावड़ियों से भी जलापूर्ति के प्रस्ताव तैयार किया जा रहे हैं।

चुनाव से पहले पेयजल प्रबंधन सुधारने पर जोर

अजमेर जिले में पेयजल की समस्या काफी पुरानी है। हर चुनाव में पेयजल का मुद्दा प्रमुख रूप से छाया रहता है। वहीं इसका नुकसान सत्ता पक्ष की पार्टी को होता है। आगामी दिनों में लोकसभा चुनाव होने है। ऐसे में अजमेर में पेयजल का मुद्दा हावी नहीं हो, इसके लिए गर्मी से पहले ही पेयजल प्रबंधन को सुधारने के लिए प्रयास शुरू हो गए हैं। देवनानी ने कहा कि 2018 तक शहर में पेयजल व्यवस्था ठीक थी। इसके बाद 2023 आते-आते पेयजल समस्या को लेकर परेशानी शुरू हो गई।

कांस्टेबल का कारनामा

ट्रक छोड़ने का सौदा... 200 कर्टन शराब और 2 लाख रुपए लिए

बेधड़क | अजमेर

ब्यावर पुलिस के एक कांस्टेबल ने रिश्वत का अलग ही कारनामा कर डाला। अवैध शराब से भरे ट्रक को जब्त करने के बजाय उसे छोड़ने के लिए कांस्टेबल ने चालक और खलासी से सौदाबाजी कर ली। ट्रक को छोड़ने के लिए उसने दस लाख रुपए की डिमांड की, लेकिन बाद में वह दो लाख रुपए लेने के लिए राजी हो गया। इसके अलावा कांस्टेबल ने ट्रक में भरे अवैध शराब के 200 कर्टन भी उतारवा लिए। बाद में चालक-खलासी को धमकी देकर भगा दिया। वहीं कांस्टेबल की यह कारगुजारी ज्यादा दिन पुलिस से छिप नहीं सकी। अब मामला सामने आने के बाद ब्यावर एसपी नरेंद्र सिंह ने रिश्वत लेने वाले आरोपी कांस्टेबल नरेश को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही मामले की जांच करने के भी आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार शराब तस्करों के नेटवर्क में शामिल सीकर मंडोता निवासी ट्रक ड्राइवर कैलाश चंद और खलासी दानाराम ने डीजीपी, अजमेर रेंज आईजी लता मनोज और ब्यावर एसपी नरेंद्र सिंह को एक लिखित शिकायत दी थी। इसमें उन्होंने बताया कि अवैध शराब से भरे ट्रक को गत 28 जनवरी को जवाजा थाने के कांस्टेबल नरेश और उसके तीन साथियों ने रुकवाया था। कांस्टेबल नरेश ने ट्रक को जब्त करने के बजाय उसे छोड़ने के लिए 10 लाख रुपए की मांग की, लेकिन बाद में वह 2 लाख में ट्रक छोड़ने के लिए तैयार हो गया। ट्रक में भरे अवैध शराब के 200 कार्टून भी उतार लिए। साथ ही धमकी देते हुए कहा कि अगर जेल नहीं जाना है तो मुंह बंद करके चले जाओ। शिकायतकर्ताओं ने शिकायत में बताया कि कांस्टेबल नरेश ने अपने साथी को सीकर में 2 लाख रुपए दिलाए थे।

उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

कॉलोनी में मोबाइल टॉवर लगाने का बाशिंदों ने जताया विरोध

बेधड़क | सिरोही

जिले के आबूरोड शहर में वार्ड-40 की अंबिका कॉलोनी के घनी आबादी क्षेत्र में बुधवार को मोबाइल टॉवर लगाने का कार्य शुरू होने के साथ ही स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। आस-पास क्षेत्रों के निवासियों ने पार्षद अभिषेक मेरु की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन किया। आबादी क्षेत्र में मोबाइल टॉवर लगाने से नाराज कॉलोनी वाशिंदों ने आबूरोड उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया गया कि शहर के तरतोली रोड स्थित इस कॉलोनी में सामुदायिक भवन के पास कृषि भूमि पर प्राईवेट मोबाइल कंपनी की ओर से टॉवर लगवाया जा रहा है। मोबाइल टॉवर लगाए जाने का विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि टॉवर से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। ज्ञापन में जल्द रोकने की मांग उठाई। साथ ही चेतावनी दी कि कारवाई नही होने पर आंदोलन किया जाएगा।

लोगों ने नम आंखों से दी विदाई, कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे

मानवेंद्र सिंह की पत्नी का अंतिम संस्कार

बेधड़क | जोधपुर

पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह जसोल की पत्नी चित्रा सिंह का अंतिम संस्कार गुरुवार को जोधपुर के पाबूपुरा रोड स्थित जसोल फॉर्म हाउस में किया गया। उनकी पार्थिव देह बुधवार को जोधपुर पहुंची थी।

अंतिम संस्कार में कई जनप्रतिनिधि और राजपूत समाज के प्रमुख लोग शामिल हुए। उनकी पुत्री हर्षिनी कुमारी भी इटली से जोधपुर पहुंची। चित्रा सिंह को उनके पुत्र हमीर सिंह ने मुखाग्नि दी। इस दौरान अंतिम संस्कार में मौजूद सभी लोंगों की आंखे नम हो उठी। बीजेपी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, सिवाना विधायक हमीर सिंह, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, पूर्व विधायक जालम सिंह रावलोत, मदन प्रजापत सहित जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर और सिरोही क्षेत्र के राजपूत समाज और अन्य क्षेत्र के लोग अंतिम संस्कार में शामिल हुए। गौरतलब है कि मंगलवार को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर दिल्ली से जयपुर आते समय मानवेंद्र सिंह की कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में उनकी पत्नी चित्रा सिंह की मौत हो गई थी, जबकि खुद मानवेंद्र सिंह और उनके पुत्र हमीर सिंह गंभीर घायल हो गए थे।

इस सड़क हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज भी समाने आया है जिसमें मानवेंद्र सिंह की कार तेज रफ्तार से जाती हुई अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा जाती है। मानवेंद्र सिंह के बेटे हमीर सिंह को दिल्ली में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि मानवेंद्र सिंह का अभी भी इलाज चल रहा है।

कांग्रेस विधायक बोहरा ने भजनलाल सरकार पर बोला हमला

पर्ची से चल रही सरकार में अब तक कोई काम नहीं

बेधड़क | डूंगरपुर

राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा ने प्रदेश की भजनलाल सरकार पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार केवल मात्र केंद्र से आने वाली पर्चियों का अनुसरण करने के अलावा कोई काम नहीं कर रही।

सरकार के गठन को डेढ़ माह का वक्त बीत चुका है, लेकिन प्रदेश में अब तक कोई काम नहीं हुआ है। कांग्रेस सरकार के समय चिरंजीवी योजना शुरू की गई थी, लेकिन अब उस योजना के तहत लोगों का निशुल्क इलाज नहीं मिल रहा है। आरजीएचएस में अब दवाइयां नहीं मिल रही है। इस सरकार ने कांग्रेस के समय जो काम स्वीकृत हुए थे, उनको भी रोक दिया है। बोहरा ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि लगता है कि प्रदेश में फाइनेंशियल इमरजेंसी आ गई है। उन्होंने अपने मेनिफेस्टो में आपातकाल शब्द का इस्तेमाल किया था, जो अब राजस्थान में नजर भी आ रहा है।

वहीं, विधायक बोहरा ने ईआरसीपी को प्रदेशवासियों के साथ बड़ा धोखा करार दिया। उन्होंने कहा कि इसमें हमें 3510 एमसीएफटी पानी मिलना था, लेकिन अब हमें 1000 एमसीएफटी कम मिल रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि 3510 एमसीएफटी पानी मिलेगा। दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कह रहे हैं कि 2412 एमसीएफटी से ज्यादा पानी नहीं देंगे।

इंजन डबल, लेकिन चल रहे अलग-अलग

विधायक बोहरा ने कहा कि ये डबल इंजन की सरकार बताते हैं लेकिन हकीकत यह है कि दोनों इंजन अलग-अलग चल रहे हैं। वहीं, इस सरकार के विजन का भी कुछ पता नहीं चल पा रहा है। ये क्या करना चाहते हैं और क्या करेंगे इसके बारे में कुछ भी कहना ठीक नहीं है। ये इसलिए भी हो रहा है, क्योंकि मौजूदा सरकार केंद्र की पर्चियों को देख कर कुछ भी बोल और कर रही है। केंद्र से मिलने वाले निर्देशों की पालन के अलावा प्रदेश की सरकार कुछ नहीं कर पा रही है।

BJP ने प्रदेश की जनता को किया गुमराह: जाट

कांग्रेस इलेक्शन कमेटी के सदस्य रामलाल जाट ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस इस बार जीत के इरादे से मैदान में उतरने जा रही है। दो बार राजस्थान में भाजपा ने लोगों को गुजराह करके सभी 25 सीटों पर कब्जा किया, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। हम लोगों को बताएंगे कि भाजपा की कथनी और करनी में क्या अंतर है। वहीं, इंडिया गठबंधन में बीएपी के शामिल होने की संभावना पर रामलाल जाट ने कहा कि ये फैसला गठबंधन कमेटी करती है, लेकिन अभी तक किसी तरह का कोई गठबंधन बीएपी या किसी अन्य पार्टी से नहीं हुआ है। साथ ही प्रत्याशी चयन को लेकर उन्होंने कहा कि ये फैसला भी पार्टी आलाकमान को ही करना है।

खेत में सो रही महिला की हत्या, गहने व नकदी लूटी

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

जिले के भादसोड़ा थाना क्षेत्र में खेत में सो रही एक महिला की हत्या कर आरोपी गहने व नकदी लूट ले गए। घटना के दौरान उसका पति किसी शादी समारोह में शामिल होने गया था। हत्या की वारदात रात को अंजाम दी गई या फिर गुरुवार सुबह इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

वहीं मामले में पुलिस संदिग्ध लोगों से पूछताछ करने में जुटी है। घटना चाकुडा गांव की है। 50 वर्षीय चांदी बाई रैगर का शव खेत पर बने मकान में लहूलुहान हालत में मिला। मृतका चांदी बाई का पति शंकरलाल रैगर सांवलियाजी में एक विवाह कार्यक्रम में गया था। चाकूड़ा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश लोहार के अनुसार गुरुवार सुबह शंकर लाल घर लौटा, तो अपनी पत्नी चांदी बाई को लहुलुहान हालत में पड़ा देखकर उसके होश उड़ गए।

सूचना पर थानाधिकारी उदयसिंह चुंडावत, मंगलवाड थानाधिकारी रविन्द्र चारण जाप्ते सहित मौके पर पहुंचे और महिला के शव को सांवलियाजी जिला उप चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। मृतका के पति की ओर से दी गई रिपोर्ट के अनुसार अज्ञात लोगों ने सिर पर वार कर उसकी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी मृतका के एक कान के सोने के टोप्स व 8 हजार रुपए नकदी लूट ले गए।

जेईसीआरसी का एनुअल फेस्ट 21 से: सेलिब्रिटी रैपर किंग की परफोर्मेंस रहेगी खास

स्टूडेंट्स के जोश और रोमांच के बीच रिवील हुई 'रिदम' की टीशर्ट

बेधड़क | जयपुर

जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी में 21 -23 फरवरी को आयोजित होने वाले एनुअल फेस्ट 'रिदम-2024' की पोस्टर लॉन्च और टीशर्ट रिवील सेरेमनी का आयोजन गुरुवार को किया गया।

ड्रोन तकनीक को साथ जब फेस्ट की टीशर्ट रिवील की गई तो यूनिवर्सिटी का पूरा परिसर स्टूडेंट्स की हूटिंग और उत्साह से सराबोर हो गया। रिदम 2024 के लिए अब तक देश भर से 1 हजार से अधिक स्टूडेंट्स रजिस्टर करा चुके हैं, ये संख्या फेस्ट तक काफी बढ़ सकती है। फेस्ट में 55 इवेंट्स होंगे जिनमे प्रतिभागी स्टूडेंट्स की टेक्नीकल, कल्चरल, स्पोर्ट्स और मीडिया स्किल्स को परखा जाएगा।

टीशर्ट रिवीलिंग सेरेमनी कार्यक्रम में जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के डिजिटल स्ट्रेटेजी हेड धीमंत अग्रवाल ने बताया कि इस बार रिदम-2024 में सेलिब्रिटी परफॉर्मर रैपर किंग परफोर्मेंस देंगे। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय फेस्ट में स्टूडेंट्स की प्रतिभा को निखारने के लिए कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम, वर्कशॉप्स, बिजनेस मीट आदि का का आयोजन होगा जहां उन्हें सेलिब्रिटीज सहित टॉप बिजनेस लीडर्स से मिलने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम में वाइस चेयरपर्सन अर्पित अग्रवाल, रजिस्ट्रार एसएल अग्रवाल, स्टूडेंट डेवलपमेंट ऑफिसर नितिन गुप्ता सहित अन्य स्टाफ, फैकल्टी मेंबर्स और स्टूडेंट्स मौजूद रहे। रिदम-2024 नवाचार, प्रतिभा, और एकता की भावना का समागम है जो अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करेगा।

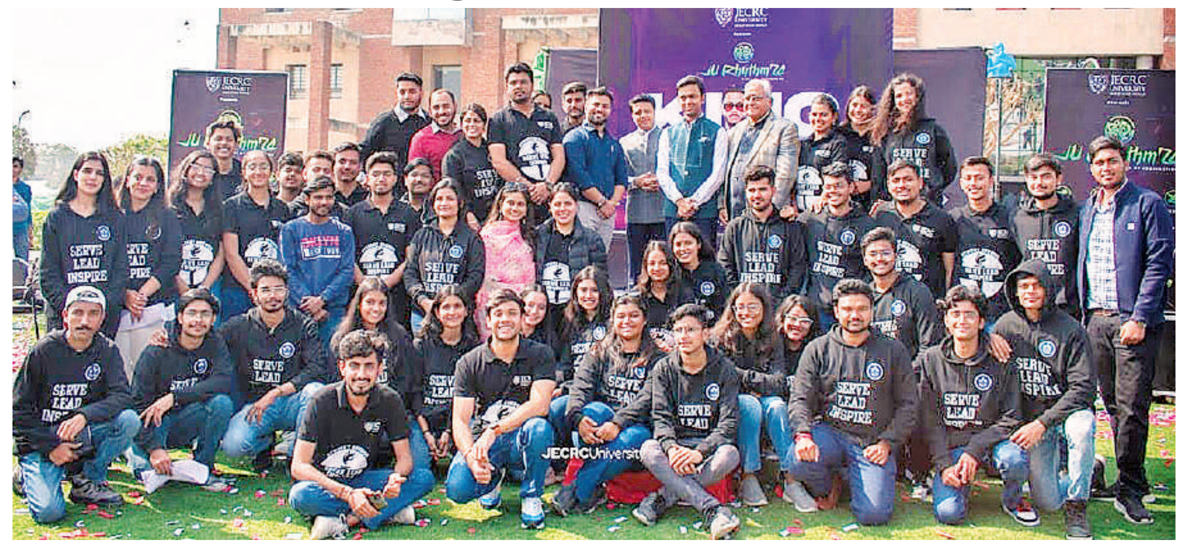

Yuva स्टोरीज

JNU के डॉ. भट्टाचार्य विशेषज्ञ सदस्य नामित

बेधड़क | जयपुर

जेएनयू अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रसंता कुमार भट्टाचार्य को सचिव स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में गठित दिशानिर्देश विकास समूह-4 के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

डॉ. प्रशांत कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि दिशानिर्देश विकास समूह तीन नैदानिक स्थितियों के लिए साक्ष्य-आधारित एंटीबायोटिक दिशानिर्देश तैयार करेगा और मेरी भूमिका जनरल फिजिशियन की होगी।

उन्होंने कहा कि यह क्लिनिकल प्रेक्टिस में प्रमुख प्राथमिकता वाले प्रश्नों की पहचान करने और सिफारिशें तैयार करने में विशेषज्ञता का जिम्मेदारी के साथ प्रर्दशन करने का एवं गौरव का क्षण है। जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी ने डॉ. भट्टाचार्य को उनके चयन पर बधाई दी क्योंकि संबंधित क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहन शोध का मूल्यांकन करने पर देश से केवल चुनिंदा डॉक्टरों का ही चयन किया जाता है। डॉ. बख्शी ने आशा जताई कि उनकी विशेषज्ञता से मरीज लाभान्वित होंगे और उनका मार्गदर्शन जेएनयू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के मेडिकल छात्रों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

महाराजा कप का आज होगा आगाज

बेधड़क | जयपुर

महाराजा कॉलेज ग्राउंड में 29वें सत्येन्द्रपाल सिंह मेमोरियल महाराजा कप का उद्घाटन शुक्रवार को होगा। दोपहर 12 बजे होने वाले उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा होंगे। गोखले महाराजा एलुमनी एसोसिएशन अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक कंवरसेन यादव ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा करेंगी। पहला मैच महारानी कॉलेज और सुबोध गर्ल्स कॉलेज के बीच होगा। पहले गर्ल्स मैच होंगे उसके बाद बॉयज के मैच शुरू होंगे। एसोसिएशन सरंक्षक अनिल मित्तल, कोषाध्यक्ष जितेंद्र सैन ने बताया कि यह टूर्नामेंट 10 फरवरी तक चलेगा। 10 फरवरी को स्व. सत्येन्द्रपाल सिंह और स्व. कुलदीप की स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित होगा, उसी दिन दोपहर 2 बजे समापन समारोह होगा। शाम को गोखले होस्टल में गोखले नाईट कार्यकम होगा।

स्टूडेंट्स से रू-ब-रू होंगी अरुंधति

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की ओर से शनिवार को सीनेट हॉल में प्रो. ए जी स्टॉक मैमोरियल लेक्चर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य वक्ता साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता अरुंधति सुब्रमण्यम होंगी।

व्याख्यान का विषय 'पोयम्स मैटर बिकॉज दे हैव होल्स' होगा| विभागाध्यक्ष प्रो.सुनीता अग्रवाल ने बताया कि जयपुर के विभिन्न महाविद्यालयों से विद्यार्थी व शिक्षाविद् व्याख्यान में उपस्थित रहेंगे।

केवी-1 में शुरू हुए राष्ट्रीय शालेय खेल

योगासनों से अथक साधना की प्रस्तुति देंगे स्टूडेंट्स

बेधड़क | जयपुर

बजाज नगर स्थित केंद्रीय विद्यालय नं. 1 में गुरुवार को 14 वर्ष आयु तक के बालक-बालिकाओं के लिए योगासन के 67वें राष्ट्रीय शालेय खेल शुरू हुए। छात्र-छात्राओं के लाजवाब रंगारंग कार्यक्रमों के साथ इस प्रतियोगिता का उद्घाटन हुआ। केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय- जयपुर संभाग के उपायुक्त बीएल मोरोडिया ने राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम की मेजबानी जयपुर संभाग को मिलने पर हर्ष जताते हुए कहा कि योग आत्मिक परिवेश को भौतिक परिवेश से जोड़ कर अपूर्णता से परिपूर्णता की ओर अग्रसर होने का आधार है।

नई पीढ़ी के इन लीडर्स की मेजबानी का अवसर राजस्थान की भूमि को मिला है यह गर्व का विषय है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ. पी के प्रजापति ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहन देते हुए योग को जीवन का वह महत्वपूर्ण हिस्सा बताया जो हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य की दिशा में मार्ग निर्देशित करता है। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली के अपर आयुक्त एनआर मुरली ने चार दिन तक प्रतियोगिता के दौरान सर्वोत्तम प्रदर्शन व खेल भावना बनाए रखने पर बल दिया। कार्यक्रम में आईआईएस मंजू मीना, निदेशक सीआईपीईटी संजय चौधरी, उपायुक्त नवोदय विद्यालय समिति एस के माहेश्वरी, एनआईओएस के रीजनल डायरेक्टर मनीष चुघ, सीपीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर नीरज बंसल, रिटायर्ड उपायुक्त केवी संगठन जेएम रावत आदि भी शामिल हुए। उद्घाटन समारोह के अंत में सहायक आयुक्त विकास गुप्ता ने आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि यह राष्ट्रीय आयोजन कुशल निर्देशन, मार्गदर्शन, दूरदर्शिता एवं समूह योजना से ही संभव हुआ है।

23 राज्यों से आए 374 प्रतिभागी

एसजीएफआई के बैनर तले आयोजित प्रतियोगिता 4 फरवरी तक चलेंगी। योगासन से सम्बंधित विभिन्न सर्वश्रेष्ठ आसन प्रतियोगिताओं में अपने कौशल का जलवा बिखेरने देश भर के बीस राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों एवं सात संस्थाओं के 186 छात्र एवं 188 छात्राएं प्रतियोगिताओं में शामिल होंगे। प्रतियोगिता के पहले दिन प्रतियोगियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

न्यू इंडियन एकेडमी का वार्षिकोत्सव

बच्चों ने दिखाया पलायन को रोकने का मॉडल

बेधड़क | जयपुर

बच्चों की मनोरंजक प्रस्तुतियों में आधुनिक गांव की तस्वीर देखने को मिली। मौका था न्यू इंडियन एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के वार्षिकोत्सव और प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी का। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने मॉडल प्रोजेक्ट के माध्यम से अपने आधुनिक गांवों की तस्वीर को दिखाया। बच्चों ने स्मार्ट सिटी की सुविधाएं और दैनिक जरूरतों को रचनात्मक रूप से पूरा करने वाले अपने गांव के मॉडल से भविष्य के भारत की तस्वीर को साकार किया।

स्कूल डायरेक्टर अर्चना सिंह ने बताया कि वर्तमान दौर में शहरों की तरफ आमजन का रुख बढ़ रहा है। ऐसे में गांव खाली होने लगे हैं। लेकिन बच्चों ने आधुनिक गांव की इस तरह की तस्वीर पेश की है, जिसमें सभी सुविधाएं हैं। यह विचार गांवों से पलायन को रोक सकता है। इस दौरान बच्चों ने चंद्रयान थ्री के प्रोजेक्ट को भी दर्शाया। वाटर रीसायकल प्रोजेक्ट, रुम हीटर, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वैक्यूम क्लीनर, ऑटोमेटिक लाइटिंग प्रोजेक्ट, हाइड्रो सिस्टम के साथ कई तरह के प्रोजेक्ट से अपना हुनर दिखाया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही सम्मान समारोह का भी आयोजन। बच्चों ने भारतीय संस्कृति की मिसाल दर्शकों के सामने रखी जिसको देखकर दर्शक अभिभूत हुए। बच्चों ने देश के दक्षिण से लेकर पूर्व की सांस्कृतिक झलक को मंच पर साकार कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने साल भर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को सम्मान से नवाजा व उनके बेहतर भविष्य की कामना भी की।

मंथन | **आरयू में 14 दिवसीय वर्कशॉप का समापन**

समाज विज्ञान के पहलुओं पर विशेषज्ञों ने की परिचर्चा

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान शोध केंद्र में चल रही 14 दिवसीय वर्कशॉप में प्रतिभागियों ने समाज विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वर्कशॉप में यूजी, पीजी व रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया।

समाज विज्ञान शोध केंद्र के निदेशक प्रो. अशोक सिंह ने बताया कि आरयू व अन्य विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर्स ने विद्यार्थियों को रिसर्च के गुण बताए।

साथ ही संकलन पर गहन मंथन, कठनाईयों को देखते हुए शोध का विषय चयन, शोध प्रारूप निर्माण, फैक्ट्स संकलन, शोध लेखन व शोध की विशेषता,सामाजिक विज्ञान का तकनीकी के महत्व के बारे में समझाया गया। वर्कशॉप में सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए अवेयर करते हुए स्ट्रेस फ्री रहने पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला के बाद सर्टिफिकेट वितरण किए गए। इस मौके पर प्रो. विनोद शर्मा, प्रो. मीना रानी, प्रो. एकता मीणा, प्रो. लक्ष्मी परेवा, प्रो. गौरव गोटवाल, प्रो. नीलम पुरोहित, प्रो. कीर्तिका समेत कई प्रोफेसर मौजूद रहे।

फेयर में 40 छात्राओं को मिली जॉब

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय के सेंटर फॉर कॅरिअर गाइडेंस, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट की ओर से गुरुवार को आयोजित जॉब फेयर में कॉलेज की 40 छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में चुना गया। फेयर में 8 कॉरपोरेट कंपनीज के प्रतिनिधि छात्राओं के इंटरव्यू के लिए उपस्थित हुए। इनमें डिजिटल डोर सूरत, ब्रिकरेड सिस्टम, क्रैक एड बाय, कार देखो ग्रुप, जेनपैक्ट, कॉनक्रेट आईओ जयपुर, इन्फोएज इंडिया लिमिटेड नोएडा, हायर फॉक्स कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, ट्राईमेट्स टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी शामिल थी। फेयर का उद्देश्य छात्राओं को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार प्रदान करना था। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि फेयर में 77 छात्राओं ने इंटरव्यू के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। 40 छात्राओं को कंपनियों में विभिन्न प्रोफाइल्स के लिए चुना गया। केंद्र की संयोजक डॉ. आकांक्षा गंडा ने चयनित उम्मीदवारों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामानाएं दी।

कार्यशाला में हुई जीवन कौशल पर चर्चा

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित 'परस्पर संबंध एवं जीवन कौशल' विषयक तीन दिवसीय कार्यशाला गुरुवार को संपन्न हुई। कार्यशाला का आयोजन राजस्थान महिला कामगार संघ के तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता दिया गौतम, राजस्थान महिला कामगार संघ ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करवाई। ऋतु बर्मन ने संघ की कार्य योजना से सभी छात्राओं को अवगत करवाया। कार्यशाला के दौरान मानसिक स्तर और आत्मविश्वास, पारस्परिक संचार एवं जीवन कौशल और असर्टिव कम्युनिकेशन स्किल आदि के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में तकरीबन 66 छात्राओं ने हिस्सा लिया।

राममय जगत की भावधारा सिद्धांत के प्रवर्तक स्वामी रामानन्द

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

जयंती (2 फरवरी) पर विशेष

"तीर्थाटन से लौटने पर अनेक गुरु-भाइयों ने यह कहकर रामानन्द के साथ भोजन करने से इंकार कर दिया कि इन्होंने तीर्थाटन में छुआछूत का विचार नहीं किया होगा। इस पर रामानन्द ने अपने शिष्यों को नया संप्रदाय चलाने की सलाह दी।"

मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन के महान संत स्वामी जगतगुरु रामानन्दाचार्य ऐसे संत, परम विचारक, समन्वयी महात्मा हुए हैं, जिन्होंने न केवल श्री सीतारामजी द्वारा पृथ्वी पर प्रवर्तित विशिष्टाद्वैत सिद्धांत तथा रामभक्ति की पावन धारा को मध्यकाल में अनुपम तीव्रता प्रदान कर हिमालय की गगनचुंबी ऊंचाईयों से उतारकर निर्धनों और वंचितों की झोपड़ी तक पहुंचाया, बल्कि वे पहले ऐसे आचार्य हुए हैं, जिन्हें उत्तरभारत में आधुनिक भक्ति मार्ग का प्रचार करने वाले और वैष्णव साधना के मूल प्रवर्त्तक के रूप में भी स्वीकार किया जाता है। स्वामी रामानन्दाचार्य ने क्षत्रिय रूप में वैष्णव बैरागी सम्प्रदाय की स्थापना की, जिसे रामानन्दी सम्प्रदाय के नाम से भी जाना जाता है। स्वामी रामानन्द का जन्म प्रयागराज में एक कान्यकुब्ज ब्राह्मण परिवार में माता सुशीला देवी और पिता पुण्यसदन शर्मा के घर हुआ था। उनके जन्म काल के संबंध में विद्वान एकमत नहीं हैं, लेकिन अधिकांश विद्वानों के अनुसार स्वामीजी का जन्म 1199 ईस्वी में हुआ था। रामानन्द संप्रदाय की मान्यता के अनुसार आद्य जगद्गुरू का प्राकट्य माघ कृष्ण सप्तमी संवत 1356 को हुआ था। अगस्त्य संहिता तथा अन्य ग्रंथों के अनुसार रामानन्द का जन्म सन 1299 ईस्वी में हुआ था। धार्मिक विचार पसंद उनके माता-पिता ने बालक रामानन्द को शिक्षा पाने के लिए काशी के स्वामी राधवानन्द के पास श्रीमठ भेज दिया। श्रीमठ में रहते हुए रामानन्द वेद, पुराण और दूसरे धर्मग्रंथों का अध्ययन कर प्रकांड विद्वान बन गए। गुरू राघवानन्द और माता-पिता के दबाव के बावजूद उन्होंने गृहस्थाश्रम स्वीकार नहीं किया और आजीवन विरक्त रहने का संकल्प लिया। ऐसे में स्वामी रामानन्द को रामतारक मंत्र की दीक्षा प्रदान की गई। रामानन्द ने श्रीमठ की गुह्य साधनास्थली में प्रविष्ट हो राममंत्र का अनुष्ठान तथा अन्यान्य तांत्रिक साधनाओं का प्रयोग करते हुए घोर तपश्चर्या की। योग की तमाम गुत्थियों को सुलझाते हुए उन्होंने अष्टांग योग की साधना पूर्ण की। दीर्घायुष्य प्राप्त करने के कारण जगद्गुरू राघवानन्द ने अपने तेजस्वी और प्रिय शिष्ट रामानन्द को श्रीमठ पीठ की पावन पीठ पर अभिषिक्त कर दिया। स्वामी अनन्तानन्द के द्वारा कही गई गुरुपरंपरा के अनुसार स्वामी रामानन्द श्रीराम मंत्रराज की परम्परा में 22वें स्थान पर आते हैं।

स्वामी रामानन्द ने तत्कालीन समाज में विभिन्न मत, पंथ, संप्रदायों में घोर वैमनस्यता और कटुता को दूर कर बहुसंख्यक समाज को एक सूत्र में बांधने का महनीय कार्य किया। आचार्य ने शिव एवं विष्णु के उपासकों में चले आते अज्ञान मूलक द्वेष भाव को दूर किया। अपने तपः प्रभाव से यवन-शासकों के अत्याचार को शान्त किया और श्री अवध चक्रवर्ती दशरथ नन्दन राघवेन्द्र को आदर्श मानकर उनकी भक्ति के प्रवाह से प्राणियों के अन्तः कलुष का निराकरण किया। उनकी शिष्य मंडली में उस काल के महान संत कबीरदास, रैदास, सेननाई जैसे निर्गुणवादी संत थे, तो दूसरी ओर अवतारवाद के पूर्ण समर्थक अर्चावतार मानकर मूर्तिपूजा करने वाले स्वामी अनन्तानन्द, भावानन्द, सुरसुरानन्द, नरहर्यानन्द जैसे वैष्णव ब्राह्मण सगुणोपासक आचार्य भक्त भी थे। गागरौनगढ़ नरेश पीपाजी जैसे क्षत्रिय, सगुणोपासक भक्त भी उनके शिष्य थे। उन्होंने अनंतानन्द, भावानन्द, पीपा, सेन नाई, धन्ना, नाभा दास, नरहर्यानन्द, सुखानन्द, कबीर, रैदास, सुरसरी, पदमावती जैसे बारह लोगों को अपना प्रमुख शिष्य बनाया, जिन्हें द्वादश महाभागवत के नाम से जाना जाता है। इन द्वादश महाभागवतों को अपने जाति, समाज और अपने क्षेत्र में भक्ति का प्रचार करने का दायित्व सौपा। इनमें कबीर दास और रैदास (रविदास) आगे चलकर काफी ख्यातप्राप्त संत हुए। कालांतर में कबीर पंथ रामानंदीय संप्रदाय से अलग रास्ते पर चल पड़ा। रामानंदीय संप्रदाय सगुण उपासक है, और विशिष्टाद्वैत सिद्धान्त को मानते है। कबीर और रविदास ने निर्गुण राम की उपासना की। मान्यता है कि महात्मा कबीरदास जी ने उनके चरण धोखे से हृदय पर लेकर उनके मुख से निकले राम- नाम को गुरुमंत्र मान लिया। स्वामी रामानन्द ऐसे महान संत थे, जिसकी छत्र छाया में सगुण और निर्गुण दोनों तरह के संत-उपासक विश्राम पाते थे। जब समाज में चतुर्दिक आपसी कटुता और वैमनस्य का भाव भरा हुआ था, वैसे समय में स्वामी रामानन्द ने भक्ति करने वालों के लिए नारा दिया- जात-पात पूछे न कोई, हरि को भजै सो हरि का होई। उन्होंने सर्वे प्रपत्तेधिकारिणों मताः का शंखनाद किया और भक्ति का मार्ग सबके लिए खोल दिया। किन्तु वर्णसंकरता नहीं हो, इसलिए संन्यासी, वैरागी के लिए कठोर नियम बनाए, उन्होंने महिलाओं को भी भक्ति के वितान में समान स्थान दिया। मान्यता है कि आचार्य रामानन्द ने तारक राममंत्र का उपदेश पेड़ पर चढ़कर दिया था, ताकि सब जाति के लोगों के कान में पड़े और अधिक से अधिक लोगों का कल्याण हो सके। स्वामीजी ने भक्ति के प्रचार में संस्कृत की जगह लोकभाषा को प्राथमिकता दी। उन्होंने कई पुस्तकों की रचना की। स्वामी रामानन्दाचार्य द्वारा विरचित ग्रंथ- वैष्णवमताब्ज भास्करः, श्रीरामार्चनपद्धतिः, ब्रह्म सूत्र आनन्दभाष्य, उपनिषद् आनन्दभाष्य, श्रीमद् भगवदगीता आनन्दभाष्य हैं। ये सभी संस्कृत भाषा में लिखे ग्रंथ हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संदर्भ: औपचारिक शिक्षा के बोझ तले दबती संस्कारों की सीख

बच्चों में नैतिक शिक्षा का बुनियादी प्रश्न!

चन्द्रकान्ता शर्मा
स्वतंत्र लेखिका

"माता-पिता एक सीमा तक बच्चों से कोई सीख की बात कह पाते हैं। तत्पश्चात वे अपने को इसके लिए तैयार कर लेते हैं कि यदि बच्चों में लापरवाही का भाव बढ़ रहा है तो वे उसे उसके हाल पर छोड़ दें। संतान के प्रति यह भाव कालान्तर में अत्यंत खतरनाक बन जाता है तथा एक पूरी पीढ़ी को हम मूल्य विघटन के करीब पाते हैं, जो उनकी उपेक्षा अथवा बदलते जीवन मूल्यों की चपेट में आ गई है।"

बालक के जन्म के साथ ही शिक्षा के संस्कार का कार्य सभारंभ ले जाता है। माता-पिता अबोध बच्चों से ही बातें बोलते हैं-जिनमें संस्कार की गंध होती है तथा वे चाहते हैं कि उनका बच्चा एक सुनागरिक बने और समाज में उसकी एक पहचान बने। पहचान के लिए जो संस्कार शिक्षा स्वरूप बालकों को दिएजाते है। वे आदर्शो तथा नैतिक मान्यताओं के ही सन्निकट होते हैं। अबोध काल से प्रारंभ इस संस्कार भाव को जो गति मिलनी चाहिए, वह औपचारिक शिक्षा की दीक्षा से कम होने लगती है तथा माता-पिता इस बात से आश्वस्त हो जाते हैं कि बच्चा स्कूल जाने लगा है और वह वहीं से तमाम आदर्श व विनम्रताएं सीख रहा है, जो उसे जरूरी हैं। शनैः-शनैः माता-पिता कतई बेफ्रिक हो जाते हैं तथा संस्कारों की शिक्षा औपचारिक शिक्षा के बोझ तले दबती चली जाती है जिससे बच्चों में नैतिक मूल्य शिक्षा का अभाव बढ़ता चला जाने से वह सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के महत्त्व को नहीं समझ पाता और सुनागरिक निर्माण का कार्य वहीं ठप्प हो जाता है।

इसके अतिरिक्त माता-पिता की बढ़ती व्यवस्तता, बदलते जीवन मूल्यों तथा दूरदर्शन संस्कृति ने भी परिवारों में नैतिक शिक्षा के कार्य में रूकावटें खड़ी की हैं तथा इसके वातावरण निर्माण की उपेक्षा हुई है। बढ़ता जीवन स्तर तथा उसके लिए बढ़ता जीवन संघर्ष पारिवारिक संस्कार शिक्षा की बाधा बना है। आज घरों में भौतिक सुख-सुविधायें बढ़ाने-जुटाने की लालसा बलवती हुई है तथा अभिभावक अपने बच्चों के प्रति दायित्वों से विमुख हुए हैं। वे विद्यालयों पर निर्भर हो गए हैं। तीन वर्ष तक तो अवश्य वे सोचते हैं कि बच्चों को नैतिक मूल्यों की घुट्टी पिला पाते हैं, लेकिन वे इस बात से अनभिज्ञ रहते हैं कि तीन वर्ष की अबोध आयु अच्छे-बुरे का ज्ञान नहीं करा पाती, इसलिए उनके द्वारा दिए जाने वाले संस्कार इस आयु में प्रभावी नहीं हो पाते। शिशु कक्षाओं में प्रवेश के बाद माता-पिता की निश्चिंताएं बढ़ती हैं तथा वे नैतिक शिक्षा अथवा नैतिक संस्कार के लिए भी विद्यालय शिक्षा पर निर्भर करने लगते हैं। यहीं चूक होती है तथा बच्चा अन्य विषयों के मायाजाल में उलझकर नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने के प्रति सक्षम नहीं बन पाता और संस्कारों का समावेश उनमें नहीं हो पाता है। मनुष्य की समाज में जीवन शैली में भी व्यापक परिवर्तन हो गया है। पचास से सौ साल पहले का रहन-सहन, खान-पान, पहन-पहनावा तथा जीवन-प्रंसग सबकुछ बेतहाशा रूप से बदल गए हैं, सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के परिवर्तन से माता-पिता तथा संतान के मध्य भी एक दूरी का नया परिवेश बन गया है, जिससे एक अंतराल तथा मोहभंग की जैसी स्थिति बनी है। माता-पिता एक सीमा तक बच्चों से कोई सीख की बात कह पाते हैं। तत्पश्चात वे अपने को इसके लिए तैयार कर लेते हैं कि यदि बच्चों में लापरवाही का भाव बढ़ रहा है तो वे उसे उसके हाल पर छोड़ दें। संतान के प्रति यह भाव कालान्तर में अत्यंत खतरनाक बन जाता है तथा एक पूरी पीढ़ी को हम मूल्य विघटन के करीब पाते हैं, जो उनकी उपेक्षा अथवा बदलते जीवन मूल्यों की चपेट में आ गई है।

इस नैतिक संस्कार शिक्षा का लोप स्वमेव ही होने लगता है तथा बच्चों में अनादर, कुसंस्कार तथा अनैतिक मान्यताएं घर करने लगती हैं। वे छोटे-बड़े का, गुरुजनों तथा मानव सभ्यता का गूढ़ अर्थ न समझकर उथले भाव से इन्हें स्वीकार करते हैं, जिससे नैतिक मूल्य नई संस्कृति में पिसकर रह जाते हैं। दूरदर्शन ने देश की अस्सी प्रतिशत आबादी को अपनी गिरफ्त में ले लिया है तथा जो कार्यक्रम वहां दिखाए जा रहे हैं, वे नैतिक शिक्षा संस्कार निर्माण में क्या योगदान दे रहे हैं, इस पर बहस व्यर्थ है। बच्चा थोड़ा सा भी समझ ग्रहण करता है तब से वह घर में टीवी कार्यक्रमों को देखना शुरू कर देता है। जिनमें अपसंस्कृति के मूल्य निहित होते हैं, तब बबूल उगाकर आम प्राप्त करने की कामना का कोई महत्त्व नहीं है। दूरदर्शन पर दिखाई जाने वाली फिल्मों, धारावाहिकों से अपराध, सैक्स तथा हिंसा का लावा फैलता है तथा नई पीढ़ी में यही संस्कार बलवती होता चला जाता है कि जीवन यही है तथा इसी तरह से उन्हें अपना जीवन यापन करना हैं, तब भी नैतिक शिक्षा कोई स्वरूप नहीं ले पाती।

बच्चों में संस्कार का भाव जागृत करने वाले यदि शत-प्रतिशत कार्यक्रम प्रसारित हों तो वे नैतिकता को अपनी जीवन आवश्यकता के रूप में स्वीकार कर सकते हैं और एक दूषित सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना को रोका जा सकता है, लेकिन व्यावसायिक दृष्टि तथा अधिकतम कमाने-खाने की प्रवृति ने मनुष्य को इतना स्वार्थलोलुप बना दिया है कि वह उस दायरे से बाहर नहीं आना चाहता। चाहे इससे समाज की कितनी ही बड़ी हानि क्यों न हो जाए। माता-पिता और बच्चों में टीवी कार्यक्रमों को देखने की एक दूरी भी समाप्त हो गई है। वे सभी कार्यक्रम जो केवल वयस्क लोगों को देखने चाहिए, वे बच्चों के साथ देखे जाते हैं, तब आदर तथा नैतिक भाव में गिरावट स्वाभातिक है। इसलिए नैतिक मूल्य निर्माण का कार्य फिर अभिभावकों पर आ जाता है।

जहां तक शिक्षा पाठ्यक्रमों का प्रश्न है, वे नैतिक शिक्षा के लिए कोई भूमिका नहीं निभाते। लॉर्ड मैकाले काल की शिक्षा पर नई शिक्षा नीति का मुलम्मा चढ़ा देने से वह नए जीवन को पोषित नहीं कर सकती। उसके लिए नए परिवेश, सोच तथा स्रोतों की आवश्यकता है। पाठ्यक्रमों को इस रूप में समृद्ध किया जाना चाहिए कि वे बालकों में नैतिक शिक्षा मूल्यों के प्रति निष्ठा जमा सकें और यह कार्य शिक्षा में सतत् रूप से चलना चाहिए। ऐसे में जो संस्कारों की सीख का कार्य परिवार की शाला में घट रहा है, वह विद्यालय में पूर्ण हो सकता है। विद्यालयों में शिक्षक व शिक्षार्थी के मध्य जो नए संबंधों का सूत्रपात हुआ है तथा शिक्षक दायित्वों से विमुख हुए हैं, वह भी अनैतिक मान्यताओं तथा चारित्रिक दोषों को बढ़ाते हैं। इसलिए यह एक ऐसा नाजुक दौर है, जिसमें नई पीढ़ी को संस्कार देने का कार्य कोरी सीख या उपदेश के रूप में नहीं अपितु जीवन की आवश्यकता के लिए प्रतीक रूप में परोक्ष स्वरूप में दिया जाना चाहिए, तदनुसार ही नए पाठ्यक्रम तैयार किए जाने चाहिए। नैतिक शिक्षा का पृथक से पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाना भी इसका एक विकल्प हो सकता है।

शिक्षा, सीख का पर्याय है तो फिर इसका वर्तमान संदर्भो में महत्त्व और अधिक व्यापक हो गया है, क्योंकि यह पीढ़ी नैतिकता तथा आदर्शो में पतनोन्मुखी हुई है। यही समय है जब संस्कारों की नैतिकता में परिष्कार कर हम एक सुनागरिक निर्माण कर समाज और राष्ट्र को ठोस धरातल दे सकते हैं अन्यथा हमारी उपेक्षा और अनदेखी इस देश में ऐसे युग की शुरूआत भी कर सकती है, जो अत्यंत कष्टदाई तथा विध्वंसकारी होगा। अतः रचनात्मक सोच का मार्ग प्रशस्त किया जाना ही सारी समस्याओं का हल भी हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

गुरु बिन ज्ञान कहां!

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

गुरु बिन ज्ञान कहां। सुन तो लिया था, लेकिन सुना नहीं था। मुझे लग रहा था मैं प्रेम में बिना गुरु बनाए सफल नहीं हो सकता। लव गुरु की तलाश में निकला तो छोटे-मोटे तो प्रेम प्रबंधन में माहिर मिल गए, लेकिन मुझे पहुंचे और घुटे हुए लव गुरु की तलाश थी। फिर किसी ने बताया कि विश्वविद्यालय के किसी प्रोफेसर से मिलो। मैं विश्वविद्यालय के हिन्दी डिपार्टमैंट में गया तो खाली पड़ा था, एक अधेड़ से व्यक्ति स्टाफ रुम में आंख बन्द किए मनन कर रहे थे। मैंने कहा-'गुरु देव नमस्कार।' उनकी तंद्रा एकदम टूटी और फिर वे थोड़ा सहज होकर बोले-'आपका परिचय ?' मैं बोला-'मैं इसी शहर का रहने वाला हूं। वेलेंटाइन डे नजदीक है और मुझे लव गुरु की तलाश है। क्या आप मेरे लव गुरु बनना पसंद करेंगे ?'

मेरी बात पर वे थोड़ी कृपणता से हंसे और बोले-'पहले अपना नाम-परिचय तो दीजिए।' मैंने कहा-'मैं शर्मा हूं। शादीशुदा हूं। दाम्पत्य जीवन में रस नहीं है। पत्नी रोज बात-बेबात में कलह करती है और मैं प्यार की अथाह प्यास लिए इधर से उधर भटकता हूं। सुना है बिना गुरु ज्ञान लिए प्रेम का सूत्रपात नहीं हो पाता। आप हिन्दी के आचार्य हैं। यदि तनिक कृपादृष्टि हो जाए तो मैं निहाल हो जाऊंगा। अब तो आपको मेरा पूरा परिचय मिल गया होगा!'

'मैं समझ गया शर्मा जी, आपको लवगुरु की तलाश है। मैं हिन्दी का ही प्राध्यापक हूं, परन्तु मैं आपकी कोई मदद नहीं कर पाऊंगा। वैसे मैं खुद रससिद्ध हूं, बिहारी भी मैं ही पढ़ाता हूं। परन्तु आप देख रहे होंगे, सारा डिपार्टमैंट चला गया और मैं अकेला यहां पड़ा हुआ हूं। गृह कलह से परेशान मैं खुद आप ही की तरह निराशा के अंधेरे में भटक रहा हूं। आप ऐसा करिए हमारे विभाग के एक पारंगत लवगुरु हैं, उन्हें इसी आसक्ति भाव को लेकर निलंबित किया हुआ है, उनसे मिल लीजिए। उनके घर का पता मैं लिखे देता हूं। उन्हें कुछ पत्र पुष्प अर्पित करना, वे सहर्ष आपके लवगुरु का दायित्व ओढ़ लेंगे।'

मैंने कहा-'धन्यवाद आपको। बस इतनी बात जरुर याद रखें कि गुरुजी जूते नहीं पड़वा दें।' वे बोले-'घबराने की बात नहीं है। वे खुद कई बार पिट-पिटाकर ही लवगुरु का जर्दा ले सके हैं। कुछ दिन बतौर सावधानी के हैलमेट जरुर पहनकर रहना। बाकी उनके गुर आपके प्रेम की प्यास को जरुर पूरा करेंगे।' इतना कहकर उन्होंने कागज के एक पुर्जे पर लवगुरु का पता लिख दिया और मुझे देते हुए बोले-'ये है लवगुरु मटुकनाथ का पता। चाहो तो मेरे रिफ्रेंश से मिल लेना। यदि उन्होंने यह गुरुतर भार संभाल लिया तो तुम्हारा बेड़ा पार है।'

मैं पता लेकर लवगुरु के निवास पर पहुंचा तो वहां लम्बी लाइन लगी हुई थी। मेरा इतनी भीड़ देखकर सिर चकरा गया। मैंने जानकारी की तो पता चला कि मटुकनाथ से गुरुज्ञान, वेलेंटाइंश डे के पहले, लेने वालों की भीड़ थी। मैंने अंदाज लगा लिया कि सात दिन पहले मटुकनाथ से मिलना सम्भव नहीं है। इतने में तो वेलेंटाइंश डे निकल जाएगा और मेरे प्रेम के प्यासे अधर सूखे ही रह जाएंगे।

मुझे लगा कि मेरे भाग्य में अभी लवगुरु का योग नहीं है। मैं चुपचाप घर जाने की एवज पब्लिक पार्क में जाकर लेट गया। प्रेम प्रबंधन में विफल रहने का अफसोस व रंज कम न था। परन्तु गुरु बिन ज्ञान कहां!

नॉलेज कॉर्नर: 1000 ईसा पूर्व हुई अफीम की खेती की शुरुआत

'नशा' बेचकर बनाया दो देशों को गुलाम!

अफीम दो धारी तलवार है। सही हाथों में यह किसी दवा की तरह होता है, लेकिन गलत हाथों में ये नशे का खतरनाक पदार्थ बन जाता है। 1000 ईसा पूर्व में अफीम खेती की शुरूआत हुई थी। सुमेरियन में अफीम को हुल गिल यानी खुशी का पौधा कहा जाता था। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 330 ईसा पूर्व में सिकंदर महान ने परसियाऔर भारत के लोगों का अफीम से परिचय कराया था। आगे चलकर मुगलों से लेकर ब्रिटिश सरकार तक सब के प्रशासन में अफीम का कारोबार काफी अहम था। ब्रिटिश सरकार ने तो इसके दम पर भारत और चीन दोनों पर कब्जा जमाया था। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं अफीम के रोचक इतिहास के बारे में...

मुगलकाल में था मनोरंजन का सामान

मुगल काल में अफीम बड़े पैमाने पर उगाया जाता था और चीन और अन्य पूर्वी देशों के साथ व्यापार का एक महत्वपूर्ण साधन था। मुगल बादशाह अकबर के समय अबुल फजल की लिखी 'आईने-ए-अकबरी' में अफीम का उल्लेख है। इसमें पहली बार अफीम की खेती का संदर्भ मनोरंजन के उद्देश्य के लिए किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार अकबर के पिता हुमायूं अफीम का शौक रखते थे। अकबर को अपने पिता और दादा की तरह अफीम का शौक नहीं था, लेकिन वो इसकी खेती पर राजस्व वसूलता था। अकबर, अफीम की खेती पर राजस्व वसूलने वाला, पहला भारतीय था। उसने ही सबसे पहले अफीम के उत्पादन और वितरण पर राज्य का एकाधिकार बनाया था।

अफीम से जीता पूरा भारत

भारत के इतिहास में प्लासी के युद्ध को काफी अहम माना जाता है। साल 1757 की इस लड़ाई में ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के नवाब को हराकर राज्य पर नियंत्रण हासिल किया था। इस जीत के साथ उनका बंगाल और बिहार की अफीम खेती पर भी कब्जा हो गया। उस समय अफीम बेचने से काफी मुनाफा हुआ करता था। इसलिए अंग्रेजों ने बड़े पैमाने पर अफीम की खेती करानी शुरू कर दी। नतीजन पोस्ते (पॉपी सीड) की खेती करने वाली जमीन 2,83,000 हेक्टेयर से बढ़कर 3,03,000 हेक्टेयर हो गई। धान के खेतों में अब अफीम की खेती हो रही थी। इससे ईस्ट इंडिया कंपनी ने तो मोटा पैसा कमाया, लेकिन इसकी कीमत भारतीयों को चुकानी पड़ी। दरअसल, बंगाल में साल 1770 में आए सूखे की एक बड़ी वजह अफीम की खेती को बताया जाता है। इस आपदा में एक करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इस सब के बाद भी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने अफीम को लेकर अपनी नीति में ज्यादा कुछ बदलाव नहीं किया।

चीन पर भी कब्जा जमाया

अंग्रेजों ने अफीम की मदद से सिर्फ भारत ही नहीं चीन पर भी कब्जा जमाया था। यह बात 19वीं शताब्दी की शुरुआत की है। तब ब्रिटिश व्यापारी चीन से चाय, सिल्क जैसी चीजें खरीदा करते थे। लेकिन चीन बदले में उनसे कुछ खासा समान नहीं खरीद रहा था। इससे ब्रिटेन में सिल्वर की कमी का संकट मंडराने लगा।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
अंत्योदय अन्न योजना से जुड़े परिवारों के लिए चीनी सब्सिडी की योजना को अगले दो वर्षों तक बढ़ाने की मंजूरी दी गई है। इससे हमारे इन परिवारजनों को पीडीएस के तहत कम दरों पर चीनी की आपूर्ति जारी रहेगी।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
संस्थाओं की स्वतंत्रता को खत्म कर सरकार कैसे देश को बर्बादी की राह पर ले आई है Paytm फ्रॉड इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री
@AmitShah
मोदी जी की दूरदर्शिता को दर्शाती "सूर्योदय योजना" से 1 करोड़ परिवार अपने घरों पर सौर ऊर्जा सिस्टम लगाकर बिजली उत्पन्न कर पाएंगे। उन्हें प्रति माह 300 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी और सालाना 15 से 18 हजार रुपये की बचत भी होगी।

सभापति धनखड़ ने उपाध्यक्ष पैनल किया गठित

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति ने आठ सदस्यीय उपाध्यक्ष पैनल का गठन कर दिया है। इस पैनल में चार महिलाओं को शामिल किया गया है। सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि कांग्रेस सांसद अमी याज्ञनिक, तृणमूल कांग्रेस सांसद मौसम नूर और भाजपा सांसद रामिलाबेन बेचरभाई बारा और सीमा द्विवेदी को पैनल में शामिल किया गया है। इन सदस्यों के अलावा राज्यसभा के उपाध्यक्ष पैनल में शामिल किए गए लोगों में तेलुगु देशम पार्टी के कनकमेदाला रवींद्र कुमार, वाईएसआरसीपी के प्रभाकर रेड्डी वेमीरेड्डी, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा और भाजपा के लेफ्टिनेंट जनरल डीपी वत्स शामिल हैं।

राज्यपाल ने चंपई को मुख्यमंत्री किया नामित

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कथित जमीन घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, इससे पहले ही सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। जिसके बाद सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नए राज्य प्रमुख के रूप में वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया। राजभवन में चंपई सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की, लेकिन गवर्नर ने उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया। ईडी की हिरासत में हेमंत सोरेन की हिरासत पर शुक्रवार को फैसला होगा।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। चंडीगढ़ मेयर चुनाव का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी के एक काउंसलर ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। जिसमें चंडीगढ़ में नए मेयर चुनाव की मांग की गई थी और हाईकोर्ट ने राहत देने से मना कर दिया। हाईकोर्ट के जज सुधीर सिंह और जज हर्ष बंगर की खंडपीठ ने आम आदमी पार्टी को अंतरिम राहत देने से मना कर दिया था। जिसने मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया था और कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने याचिका पर चंडीगढ़ प्रशासन को नोटिस जारी किया। तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था।

बजट 2024: अंतरिम बजट में किसानों के लिए कुछ खास ऐलान नहीं

सरकार ने नहीं बढ़ाया एमएसपी का दायरा

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में उतरने से पहले मोदी सरकार ने अंतरिम बजट में किसानों के लिए कुछ खास ऐलान नहीं किए हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एग्रीकल्चर सेक्टर को 1.27 लाख करोड़ रुपए दिए हैं। ये पिछले साल के मुकाबले केवल 2% यानी 2,000 करोड़ रुपए बढ़ा है।

सरकार ने पिछले साल एग्रीकल्चर बजट के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपए दिए थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि फसलों पर नैनो D.A.P. का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा डेयरी विकास के क्षेत्र में अच्छा काम होगा और दुग्ध किसानों को बढ़ावा दिया जाएगा।

वहीं हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए जैव-विनिर्माण और बायो-फाउंड्री की नई योजना की शुरुआत होगी। सरकार ने मिनिमम सपोर्ट प्राइस (MSP) यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य का दायरा नहीं बढ़ाया है।

इसके अलावा किसान सम्मान निधि की राशि को भी नहीं बढ़ाया है, यह 6,000 रुपए ही रहेगी। बजट में महिला किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की राशि डबल यानी की अब ये सालाना 6000 से 12000 रुपए की जाने की उम्मीद थी, लेकिन इसमें भी किसी तरह का कोई भी बदलाव नहीं किया गया है।

जैव-विनिर्माण और बायो-फाउंड्री की नई योजना होगी शुरू

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एग्रीकल्चर सेक्टर को 1.27 लाख करोड़ रुपए दिए

11.8 करोड़ किसानों को लाभ

सरकार अभी 2,000 रुपए की 3 किस्तों में किसानों को हर साल 6,000 रुपए देती है। इस योजना के तहत सरकार अब तक 15 किस्तों में किसानों के खाते में 2.8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि भेज चुकी है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि अब तक 11.8 करोड़ किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिला है। वहीं 4 करोड़ से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना का फायदा मिला है। इसके अलावा मत्स्य संपदा योजना से 55 लाख नए रोजगार मिले हैं। वहीं नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट यानी eNAM के तहत 1,361 मंडियों का एकीकरण किया गया। जिससे सपोर्टिंग ट्रेडिंग वॉल्यूम रुपए 3 लाख करोड़ हो गया है।

ये घोषणाएं भी की

- प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत किसानों को सशक्त बनाया जाएगा।
- डेयरी क्षेत्र का विकास कर दुग्ध उत्पादन को बढ़ाया दिया जाएगा।
- फसलों में नैनो खाद के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा।
- फसल कटाई के क्रियाकलापों में निजी और सरकार निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।
- पीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम विकास योजना का बजट 639 करोड़ से बढ़ाकर 880 करोड़ किया गया है।
- मत्स्य उत्पादन के लिए बजट 2025 करोड़ से बढ़ाकर 2352 करोड़ किया।
- तिलहन के अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा।
- माल भाड़ा परियोजना विकसित करेंगे। इससे कृषि व्यापार को आसानी होगी।
- 1.4 करोड़ किसानों को स्किल इंडिया मिशन का फायदा मिला।

हेल्थ सेक्टर के लिए कई घोषणाएं

देश में खोले जाएंगे नए मेडिकल कॉलेज

सरकार की ओर से बनाई जाएगी कमेटी

हेल्थ सेक्टर भी इस बजट से बड़ी उम्मीद लगाए बैठा था। फिलहाल जीडीपी का लगभग 2.5 फीसदी हिस्सा हेल्थकेयर पर खर्च किया जा रहा है। यह दुनिया के अधिकतर विकसित देशों के मुकाबले में काफी कम है। अंतरिम बजट में हेल्थ सेक्टर के लिए वित्त मंत्री ने कई घोषणाएं की हैं। वित्त मंत्री ने अंतरिम बजट में देश में नए मेडिकल कॉलेजों को खोलने की घोषणा की है। वित्त मंत्री ने बताया कि जिला अस्पताओं को मेडिकल कॉलेजों में बदला जाएगा। इससे देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ेगी। जिला अस्पतलाओं को मेडिकल कॉलेज में बदलने के लिए सरकार कमेटी बनाएगी। यह समिति मौजूदा जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में बदलने के बारे में सुझाव देगी। इसी के साथ बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि मिशन सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण को सरकार बढ़ावा देगी। इसमें 9 से 14 साल की लड़कियों को मुफ्त में टीका दिया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आशा और आंगनवाड़ी वर्कर के लिए घोषणा की है। वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स को भी कवर किया जाएगा। अभी तक आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी वर्कर्स आयुषमान भारत योजना में शामिल नहीं थे। अब इन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा। बता दें कि आयुष्मान भारत या आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना देश की सबसे बड़ी पेपरलेस हेल्थ सर्विस योजना है।

ई-कोर्ट परियोजना

तीसरे चरण के लिए 825 करोड़ रुपए

अगले वित्त वर्ष के लिए 1500 करोड़

बजट में ई-कोर्ट परियोजना के तीसरे चरण के लिए इस वित्त वर्ष में 825 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। जबकि, अगले वित्त वर्ष के लिए 1,500 करोड़ रुपए की बढ़ी हुई राशि आवंटित की गई है। परियोजना के तहत निचली अदालतों के डिजिटल बुनियादी ढांचे उन्नत बनाया जाएगा। परियोजना के तीसरे चरण के लिए कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में 7,210 करोड़ रुपए की राशि को मंजूरी दी दी। लेकिन, अब इसमें संशोधन किया गया है और इसे बढ़ाकर 825 करोड़ किया गया है। इस परियोजना के तहत 2,038.40 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से अदालतों का डिजिटलीकरण किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रोंने बताया कि कुल 3108 करोड़ दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, ई-कोर्ट मिशन मोड परियोजना तकनीक का इस्तेमाल करके न्याय तक पहुंच में सुधार के लिए शुरू की गई। परियोजना के तीसरे चरण में इस प्रणाली को क्लाउड प्रौद्योगिकी में बदला जाएगा।

भाजपा नेता बोले- विकास पर केंद्रित है बजट, विपक्ष बोला- सरकार ने किया निराश

मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का अंतिम बजट गुरुवार को पेश हुआ। बजट से लोगों को काफी उम्मीदें थीं। बजट को लेकर देशभर के नेताओं के भी रिएक्शन सामने आ रहे हैं। भाजपा नेता इस बजट को विकास पर केंद्रित बता रहे हैं तो विपक्ष के नेता इसे हताश करने वाला बजट करार दे रहे हैं।

युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने वाला बजट: ठाकुर

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज संसद में पेश किया गया केंद्रीय बजट आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर तैयार नहीं किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 10 वर्षों के कार्यों के आधार पर होगा। मंत्री ने कहा कि यह विकसित भारत के आधार को मजबूत करने वाला और युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने वाला बजट है।

विकसित भारत संकल्प को साकार करने वाला बजट: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2024-25 का अंतरिम बजट 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने की रूपरेखा प्रस्तुत करने वाला है। शाह ने यह भी कहा कि वित्त मंत्री का बजट भाषण भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने की यात्रा में पिछले 10 वर्ष में मोदी सरकार द्वारा प्राप्त उपलब्धियों पर रोशनी डालता है।

खरगे का भाजपा पर हमला

अंतरिम बजट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का कहना है कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में बहुत कुछ किया है, इसलिए उन्हें उन गारंटीओं के बारे में एक तुलनात्मक बयान जारी करना चाहिए जो उन्होंने पूरी की हैं। खरगे ने कहा कि वो ऐसा नहीं कर पाएंगे, क्योंकि कोई काम किया ही नहीं।

पहली बार लोकसभा चुनाव में अकेले उतरेगा अकाली दल

'पंजाब बचाओ यात्रा' का शुभारंभ

एजेंसी | चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आज अटारी-वाघा बॉर्डर के पास से पार्टी की 'पंजाब बचाओ यात्रा' शुरू की और भारत-पाक के बीच व्यापार की सुविधा को बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा खोलने की मांग की।

इसके अलावा भारतीय क्षेत्र में कंटीले तारों की बाड़ से परे जमीन जोतने वाले पंजाब के किसानों के लिए मुआवजा बढ़ाने की मांग की है।

आने वाले लोकसभा चुनावों में लोगों की बीच अपनी पैठ बनाने के लिए शिरोमणि अकाली दल के

प्रमुख बादल ने चुनावी क्षेत्रों में जनता के बीच जाने का फैसला किया है।

बीजेपी से अलग होने के बाद अकाली दल पहली बार लोकसभा चुनाव में अकेले उतरने वाली है ऐसे में बादल चाहते हैं कि वह और उनकी पार्टी घर-घर जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए बादल ने 'पंजाब बचाओ यात्रा' शुरू की है। गुरुवार यात्रा से पहले अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व ने यात्रा की सफलता के लिए श्री अकाल तख्त साहिब में अरदास की। बादल की पंजाब बचाओ यात्रा का शुभारंभ अटारी से हुआ।

बादल ने ट्रैक्टर, कारों और मोटरसाइकिलों सहित एक हजार वाहनों के काफिले की अगुवाई की। इस यात्रा के लिए अकाली दल की और से एक खास थीम सॉन्ग भी लॉन्च किया गया है जिसमें पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को निशाने पर लिया गया है।

शपथ के लिए संजय ने दाखिल की जमानत अर्जी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में आरोपी AAP के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अंतरिम जमानत अर्जी दाखिल की है। राउज ऐवन्यू कोर्ट ने संजय सिंह की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी किया।

राउज ऐवन्यू कोर्ट में इस अर्जी पर मामले की अगली सुनवाई 3 फरवरी को होगी। संजय सिंह ने संसद के बजट सत्र में शामिल होने के लिए अदालत से 4 फरवरी से 10 फरवरी तक अंतरिम जमानत पर रिहाई मांगी है। संजय सिंह ने कहा है कि उनको राज्यसभा की सदस्यता की शपथ भी लेनी है।

प्रधानमंत्री को 'श्री कल्कि धाम' का दिया न्योता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी को 19 फरवरी को होने वाले "श्री कल्कि धाम' के शिलान्यास समारोह का निमंत्रण दिया।

झारखंड के सीएम की गिरफ्तारी के बाद ममता के तीखे तेवर

मुझे जेल में डालोगे तो मैं वहां से भी निकल जाऊंगी

एजेंसी | कोलकाता

ईडी ने जेएमएम अध्यक्ष हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया है और अब झारखंड में नए मुख्यमंत्री की घोषणा होने वाली है। इस पूरे मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं को सलाखों के पीछे डाला जा रहा है और अगर उन्हें जेल भेजा गया तो वह किसी तरह इससे बाहर आ जाएंगी।

सीएम ममता ने कहा कि बीजेपी यह सब चुनाव में जीत हासिल करने के लिए कर रही है। ममता बनर्जी ने तंज कसते हुए कहा, हम सब चोर हैं और आप

सब साधू हैं? इसी दौरान अपने अनोखे अंदाज में ममता बनर्जी ने आगे कहा, मुझे जेल में डाला तो मैं वहां से छेद कर के बाहर निकल आऊंगी। आज क्षमता है तो एजेंसी लेकर घूम रहे हो, कल नहीं रहेगी तो सूट भी गायब हो जाएगा।

जनता के वोट से फिर जीतेंगी महुआ

ममता बनर्जी ने गुरुवार को इशारों-इशारों में साफ कर दिया कि कृष्णानगर से तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा उम्मीदवार महुआ मोइत्रा होंगी। ममता ने किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा, आप महुआ को भगा सकते हैं। लेकिन जनता के वोट से महुआ फिर जीतेंगी। पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। गुरुवार को नदिया के शांतिपुर में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम था। वहीं पर ममता ने कहा, उन्होंने महुआ को भगा दिया! क्योंकि महुआ ने लोगों के बारे में बात की। इससे पहले पिछले साल नवंबर में, ममता महुआ के साथ खड़ी थीं। 8 दिसंबर को, जिस दिन महुआ को सांसद पद से बर्खास्त किया गया, मुख्यमंत्री ने भी कार्शियांग से भाजपा की आलोचना की थी। उन्होंने कहा, टीएमसी महुआ के साथ है। इस घटना से एक बार फिर भाजपा की बदले की राजनीति साबित हुई है।

बंगाल में लागू नहीं होने दूंगी NRC

मममता बनर्जी ने राज्य की जनता से कहा कि वो बंगाल में NRC नहीं करने देंगी। उन्होंने कहा, 'बीजेपी चुनाव के पहले NRC करने जा रही है। क्या महुआ यहां की नागरिक नहीं हैं। वोट देते हैं तो नागरिक हैं।' उन्होंने कहा, 'बीएसएफ का अत्याचार बढ़ रहा है। इसी के साथ उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि बीएसएफ इनरलाइन परमिट क्यों देगी। डीएम लोगों से कहूंगी कि आप दीजिए इनरलाइन परमिट।' ममता ने जनता की ओर इशारा करते हुए कहा, 'आप लोग हमारा साथ देंगे तो वचन देती हूं चुनाव जीतने के बाद दिल्ली पर हम दखल करेंगे। चुनाव के बाद क्षेत्रीय पार्टियां मिलकर कैसे क्या करेंगी ये निर्णय होगा। इसी दौरान ममता बनर्जी ने ये भी साफ किया कि वो आने वाले लोकसभा चुनाव में अकेले ही पश्चिम बंगाल में लड़ेंगी। उन्होंने साफ किया कि बंगाल में TMC अकेले ही लड़ेगी। क्योंकि हम गठबंधन चाहते थे, लेकिन कांग्रेस सीपीएम के साथ है। मैं सीपीएम के साथ नहीं जा सकती।

असम को 11000 करोड़ की सौगात देंगे पीएम

- तीन फरवरी को प्रधानमंत्री करेंगे राज्य का दौरा

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा (तीन और चार फरवरी) पर असम जाएंगे। इस दौरान वे असम को 11,000 करोड़ का सौगात देंगे। यह जानकारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दी। सरमा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन फरवरी को दो दिवसीय असम यात्रा पर असम पहुंचेंगे। अपनी असम यात्रा के दौरान, प्रधान मंत्री राज्य में लगभग 11,000 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। सीएम हिमंत बिस्वा

सरमा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम आने और यहां के लोगों के साथ एक दिन बिताने के हमारे निमंत्रण को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री 11,000 करोड़ रुपये से अधिक के कई कल्याणकारी कार्यों की आधारशिला रखने और लोगों को समर्पित करने के लिए 3 और 4 फरवरी को गुवाहाटी में होंगे।

जरूरी खबर

आतंकी 'डल्ला' के दो साथियों के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली। भारत में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए काम करने वाले मनप्रीत सिंह उर्फ पीटा और मनदीप सिंह को राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने पिछले महीने फिलीपींस से डीपोर्ट किया था। गुरुवार को दोनों के खिलाफ एजेंसी ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। बता दें मनप्रीत सिंह उर्फ पीटा और मनदीप सिंह खालिस्तान आतंकवादी बल यानी केटीएफ के सदस्य हैं। एनआईए का कहना है कि दोनों सूचीबद्ध आतंकवादी अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला के सहयोगी हैं। ऐसा कहा जाता है कि पीटा फिलीपींस में डल्ला का राइट हैंड बनकर काम करता था।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष श्रीनिवासन के ठिकानों पर रेड

चेन्नई। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष श्रीनिवासन के कई ठिकानों पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की। चेन्नई स्थित इंडिया सीमेंट्स के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दबिश दी। इंडिया सीमेंट्स के तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 7 प्लांट हैं। दिलचस्प है कि साल 2008 से 2014 तक इंडिया सीमेंट्स के पास सीधे तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स का स्वामित्व था। श्रीनिवासन इंडिया सीमेंट्स के उपाध्यक्ष एवं एमडी हैं।

राष्ट्रपति ने 'उद्यान उत्सव 2024' का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को उद्यान उत्सव का उद्घाटन किया। उद्यान उत्सव-I के तहत, अमृत उद्यान 2 फरवरी से 31 मार्च, 2024 तक जनता के लिए खुला रहेगा। पंद्रह एकड़ में फैले इस प्रसिद्ध उद्यान में इस बार फूलों की 85 से अधिक प्रजातियों के अलावा एक पुष्प घड़ी और एक 'सेल्फी पॉइंट' भी होगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, राष्ट्रपति ने आज उद्यान उत्सव-1- 2024 की शोभा बढ़ाई।'' इसमें कहा गया कि उद्यान उत्सव-1 के तहत अमृत उद्यान दो फरवरी से 31 मार्च, 2024 तक (सोमवार को छोड़कर जो रखरखाव का दिन है) जनता के लिए खुला रहेगा।

मसूरी-धनोल्टी में सीजन की पहली बर्फबारी

उत्तराखंड। उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों में बर्फबारी का सिलसिला जारी है। नैनीताल, धनोल्टी, हर्षिल, चकराता और सुरकंडा के बाद अब पहाड़ों की रानी मसूरी और धनोल्टी मे भी बर्फबारी शुरू हो गई। मसूरी में गुरुवार को सीजन का पहला हिमपात हुआ। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट आई है। जिससे कड़ाके की ठंड भी पड़ रही है। मसूरी में बुधवार रात से ही मौसम खराब हो गया था। देर रात क्षेत्र में जमकर ओले पड़े। जिसके बाद से ही शहर में कोहरा छाया हुआ था। गुरुवार सुबह से ही हल्की बारिश हुई, लेकिन दोपहर को बर्फबारी होने पर पर्यटकों के चेहरे खिल गए।

परिवर्तनकारी दौर से गुजर रही सेना: सेनाध्यक्ष

पुणे। थल सेनाध्यक्ष मनोज पांडे ने गुरुवार को कहा कि सेना परिवर्तनकारी दौर से गुजर रही है। सेना ने परिचालन तैयारियों को मजबूत करने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की है। हमने बदलाव की दिशा में अच्छी प्रगति की है। इस बदलाव के तहत सेना इंजीनियरों की कोर में आधुनिकीकरण व प्रौद्योगिकी समावेशन पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि आने वाले वर्षों में इन प्रयासों से परिचालन तैयारियों में वृद्धि होगी और हम युद्ध की चुनौतियों का अच्छी तरह से सामना करने में सक्षम होंगे। वह महाराष्ट्र के पुणे में बांबे सैपर्स वार मेमोरियल सैंटिनरी के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से इनकार के बाद मस्जिद कमेटी हाईकोर्ट पहुंची

ज्ञानवापी में 31 साल बाद जले दीप, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

■ काशी विश्वनाथ ट्रस्ट को सौंपी गई जिम्मेदारी

व्यासजी के तहखाने में आम लोगों ने शुरू की पूजा

एजेंसी | वाराणसी

वाराणसी कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पूजा-पाठ करने का अधिकार दे दिया है। जिसके बाद गुरुवार से ज्ञानवापी परिसर में आखिरकार 31 साल बाद पूजा-अर्चना शुरू हो गई है। सुबह-सुबह काफी संख्या में लोग पूजा के लिए ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पहुंचे हैं।

इस मामले में डीएम ने कहा कि जिला कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराया गया है। विश्वनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी ओम प्रकाश मिश्रा और अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निकालने वाले गणेश्वर द्रविड़ ने ब्यास जी के तहखाने में पूजा कराई। पूजा-पाठ का अधिकार काशी विश्वनाथ ट्रस्ट को सौंपा गया है। इधर सुप्रीम कोर्ट की ओर से सुनवाई से इनकार करने के बाद मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट का रुख किया है। बता दें कि कोर्ट का आदेश आने के बाद रातोरात तहखाने से बैरिकेडिंग हटा दी गई थीं। इसके बाद तड़के ही पूजा के लिए लोग जुटने लगे।

पूजा की शुरुआत कड़े प्रशासनिक सुरक्षा घेरे में शुरू हुई है। भारी फोर्स की मौजूदगी में श्रद्धालु व्यास तहखाने की ओर जा रहे हैं और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ ट्रस्ट बोर्ड की तरफ से पूजा करवाई जा रही।

इस बीच रात में कुछ युवकों ने ज्ञानवापी की तरफ जाने वाले मार्ग पर लगे साइन बोर्ड पर 'ज्ञानवापी मंदिर मार्ग' लिख दिया। जिसकी तस्वीर वायरल हो रही है।

आधी रात में शुरू हुई हलचल

वाराणसी में आधी रात को व्यासजी तहखाने में पूजा को लेकर हलचल तेज हुई तो मुस्लिम पक्ष भी एक्टिव हो गया। पूजा पर रोक लगाने की मांग शुरू हो गई। जिला जज के व्यासजी तहखाने में पूजा का अधिकार हिंदुओं को दिए जाने के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई शुरू हुई। कमिश्नर कौशलराज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन और डीएम एस. राजलिंगम समेत सीनियर अधिकारी और पुलिस बल बुधवार रात करीब 11:30 बजे ज्ञानवापी परिसर पहुंचे। वहां सभी ने दक्षिणी तहखाना में पूजा के संबंध में जिला जज के आदेश के बाद सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने दक्षिणी तहखाना में पूजा के संबंध में जिला जज के आदेश के बाद सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। रात करीब 12:30 बजे व्यासजी तहखाने के सामने लगी लोहे की बैरिकेडिंग हटवा दी गई। रात करीब 1:30 बजे रिसीवर सह डीएम एस. राजलिंगम ने परिसर के बाहर निकलकर मीडिया से कहा कि हमने कोर्ट के आदेश का अनुपालन करा दिया है। काशी विश्वनाथ मंदिर कॉम्प्लेक्स समेत पूरे जिले में हाई अलर्ट है। गोदौलिया से दशाश्वमेध और गोदौलिया से बुलानाला के बीच गश्ती बढ़ा दी गई है।

जिला कोर्ट के फैसले को चुनौती

ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाने में पूजा की इजाजत के वाराणसी जिला कोर्ट के आदेश के खिलाफ मस्जिद कमेटी ने गुरुवार सुबह 3 बजे सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सूत्रों के अनुसार, अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमिटी की ओर से वकीलों की टीम ने 3 बजे सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार के सामने मामला रखा। मस्जिद कमिटी ने व्यासजी तहखाने में पूजा पर रोक लगाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की। मुस्लिम पक्ष ने निचली अदालत के आदेश पर तुरंत रोक की मांग की। मुस्लिम पक्ष का कहना था कि हमें दूसरे कानूनी राहत के विकल्प आजमाने का समय मिले, इसके लिए आदेश जारी किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने मुस्लिम पक्ष की मांग को सुबह 4 बजे चीफ जस्टिस के सामने रखा। चीफ जस्टिस ने पेपर देखने के बाद मुस्लिम पक्ष से इलाहाबाद हाई कोर्ट जाने को कहा। चीफ जस्टिस ने कहा कि मुस्लिम पक्ष किसी भी तरह की राहत पाने के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने मामले को रखे। इस प्रकार मुस्लिम पक्ष को तत्काल राहत देने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया।

निगरानी तंत्र को मिलेगी मजबूती

कल नौसेना में शामिल होगा INS 'संधायक'

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के नए पोत आईएनएस संधायक का तीन फरवरी को जलावतरण समारोह होगा। इसके लिए विशाखापत्तनम में पूरी तैयारी की गई है। नौसेना ने सर्वेक्षण पोत को तिरंगे ध्वज, फूल-मालाओं से सजाया हुआ है। यह पोत रणनीतिक जलमार्ग में नौसेना के निगरानी तंत्र को मजबूत करेगा।

समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार और नौसेना के पूर्वी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ राजेश पेंढारकर शामिल होंगे। इसके अलावा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह समारोह देश के सबसे बड़े सर्वेक्षण पोत को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल करने का प्रतीक होगा। उन्होंने बताया कि कोलकाता के मैसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स में चार बड़े सर्वेक्षण पोत निर्माणाधीन हैं। यह उनमें पहला है।

आईएनएस संधायक का बंदरगाह और समुद्र दोनों में परीक्षण किया गया था। इसके बाद चार दिसंबर को इसे नौसेना को सौंप दिया गया था।

हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करेगा

इस पोत की प्राथमिक भूमिका सुरक्षित समुद्री नेविगेशन को होगा। यह बंदरगाहों, नौवहन चैनलों, तटीय क्षेत्रों और गहरे समुद्रों के पूर्ण पैमाने पर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करेगा। अपनी द्वितीयक भूमिका में पोत नौसैनिक अभियानों को करने में सक्षम होगा। आईएनएस संधायक अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक उपकरणों से लैस है। जिसमें गहरे पानी के मल्टीबीम इको-साउंडर्स, पानी के नीचे चलने वाले वाहन, दूर से संचालित होने वाले वाहन, उपग्रह आधारित पॉजिशनिंग प्रणाली शामिल हैं।

पुराने जहाज का उन्नत स्वरूप

आईएनएस संधायक इसी नाम के एक अन्य पोत का विकसित रूप है, जो एक एक सर्वेक्षण जहाज था। उस जहाज को 1981 में नौसेना में शामिल किया गया। साल 2021 में उसे सेवामुक्त कर दिया गया था। नया सर्वेक्षण जहाज दो डीजल इंजनों से संचालित है और 18 समुद्री मील से ज्यादा गति हासिल करने में सक्षम है। नौसेना ने एक बयान में कहा कि आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण की दिशा में भारत की बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता का सबूत है। इसमें कहा गया है कि संधायक विकसित भारत का अग्रदूत है।

जहाज का वजन 3,400 टन

संध्याक जहाज लगभग 3,400 टन के विस्थापन और 110 मीटर लंबा है। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत है। अभी इस पोत का काम बंदरगाह या हार्बर तक पहुंचने वाले मार्गों का सम्पूर्ण तटीय और डीप-वॉटर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करना है। साथ ही नौवहन चैनलों या मार्गों का निर्धारण करना है।

बजट में विकास के लिए नई परियोजनाओं को शुरू करने का ऐलान

देश के एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा लक्षद्वीप

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के बाद दुनिया भर में चर्चा में आया लक्षद्वीप अब देश के एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा।

बजट में गुरुवार को सरकार ने इसके विकास के लिए नई परियोजनाओं को शुरू करने का ऐलान किया गया है। जिसमें पूरे द्वीप समूह में पत्तन संपर्क, पर्यटन इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यटकों से जुड़ी सुख-सुविधाओं का विकास शामिल है। सरकार का मानना है इससे न सिर्फ रोजगार बढ़ेगा बल्कि देश के सबसे छोटे केंद्रशासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजूबती मिलेगी। समुद्र से घिरे लक्षद्वीप का कुल क्षेत्रफल 32 वर्ग किमी है। जहां छोटे-छोटे कई द्वीप समूह है, जो पर्यटकों को खूब भाते है। पर्यटन विकास का रोजगार के साथ सीधे जुड़ाव को देखते हुए सरकार ने सभी प्रमुख पर्यटन केंद्रों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से भी लैस करने का फैसला लिया है। इनमें आध्यात्मिक तीर्थाटन भी शामिल है। जिसमें पिछले सालों में बड़ा रुझान देखने को मिल रहा है।

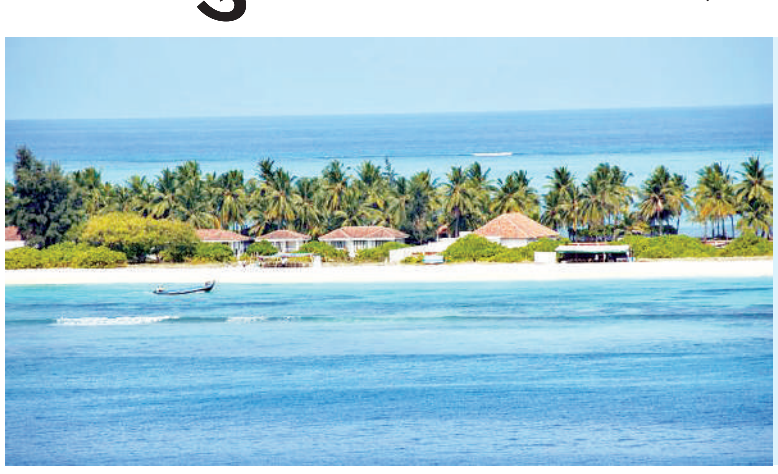

आध्यात्मिक तीर्थाटन को बढ़ावा देने की घोषणा

काशी विश्वनाथ के बाद अयोध्या अब देश के एक बड़े आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में सामने आया है। जहां श्रीराम मंदिर के दर्शन के लिए हर दिन तीन से चार लाख लोग पहुंच रहे है। इसके साथ ही सरकार ने सभी राज्यों के प्रमुख पर्यटन केंद्रों की न सिर्फ वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग करने का फैसला लिया है बल्कि उनकी सुविधाओं और सेवाओं की गुणवत्ता की रेटिंग भी की जाएगी। इसके लिए जल्द ही फ्रेमवर्क तैयार करने का भी ऐलान किया है।

प्रमुख पर्यटन केंद्रों के विकास व ब्रांडिंग का फैसला

इतना ही नहीं, राज्यों को अपने प्रमुख पर्यटन केंद्रों पर सुविधाओं को जुटाने के लिए ब्याज मुक्त दीर्घावधि ऋण भी दिया जाएगा। वैसे भी जी-20 की देश भर के प्रमुख स्थानों पर हुई बैठकों के बाद वहां घरेलू पर्यटकों के साथ विदेशी पर्यटकों का भी रुझान बढ़ा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में इसका जिक्र भी किया और कहा कि जी- 20 के आयोजन के दौरान भारत ने अपनी विविधता और खूबसूरती को जिस तरीके से प्रस्तुत किया है, उससे वहां घरेलू पर्यटकों के साथ ही विदेशी पर्यटकों की भी आवाजाही बढ़ी है।

विदेशी पर्यटकों को लाने का लक्ष्य

पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2024 में लगभग एक करोड़ विदेशी पर्यटकों को लाने का लक्ष्य रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2023 में देश में करीब 60 लाख विदेशी पर्यटक आए है। इस बीच लक्षद्वीप से जुड़े सरकार के ऐलान को मालदीव के साथ हुए ताजा विवाद से जोड़कर भी देखा जा रहा है। क्योंकि इसके बाद देश से मालदीव जाने वाले लोगों ने लक्षद्वीप को लेकर खोज तेज की है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक हर साल औसतन दो लाख से ज्यादा भारतीय पर्यटन के लिए मालदीव जाते थे जिनकी संख्या पिछले कुछ दिनों में तेजी से गिरी है।

RIFF-2024: 8 देशों की 13 भाषाओं में बनी फिल्मों को दिए 77 सम्मान

टीनू आनंद को हिंदी और कविया को राजस्थानी के लिए LTA अवॉर्ड

बेधड़क.जयपुर। सेलिब्रिटीज सहित कुल 66 फिल्मों को विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों से नवाजा गया तो माहौल रोमांच से भर गया। मौका था राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ)-2024 के समापन का, जिसमें अवॉर्ड सेरेमनी आयोजित की गई। जेम सिनेमा में आयोजित हुए रिफ के समापन में अभिनेता टीनू आनंद, अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा, अभिनेता नंदिश सिंह संधू, अभिनेत्री इति आचार्य, फिल्म क्रिटिक अजित राय, लेखक यश कालरा, आसामी अभिनेत्री ऐमी बरूआ शामिल हुए। वहीं विदेशी सितारों में डायरेक्टर जेम्स हिगिन्सन, फिल्म मेकर पैट्रिक जॉर्ज, एक्ट्रेस मैरिएन बोर्गो, वेनेजुएला अंबेसी काउंसलर अल्फ्रेडो काल्डेरा, चार्ल्स थॉम्सन आए।

रंगारंग प्रस्तुतियों से जीता दिल

अवॉर्ड सेरेमनी में सूरज ढलने के साथ ही दर्शकों ने कार्यक्रम के बीच रंगारंग प्रस्तुतियों का आनंद लिया। इस दौरान रियलिटी शो 'इण्डियन आइडल जूनियर' के प्रतियोगी रहे मोती खान की 'कुरजां' पर प्रस्तुति के साथ मीना सपेरा का 'कालबेलिया' नृत्य, ऐंजल म्यूजिक एकेडमी की ओर से संगीतमय प्रस्तुति और सुबोध कॉलेज के स्टूडेंट्स का 90 दशक के गानों पर ग्रुप डांस खास रहा।

इन कैटेगरी में मिले अवॉर्ड

फेस्टिवल में 11 विशेष पुरस्कारों के साथ राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, इंटरनेशनल, राजस्थानी भाषाओं की फीचर फिल्मों के लिए कुल 23 अवॉर्ड, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, छात्र, राजस्थानी इंटरनेशनल लैंग्वेज की लघु फिल्मों के लिए कुल 21 अवॉर्ड, एनिमेशन फिल्मों के लिए 3, ड्रॉक्यूमेंट्री फिल्मों के लिए 14 और हिन्दी, क्षेत्रीय, इंटरनेशनल, राजस्थानी भाषाओं के म्यूजिक एलबम के लिए कुल 5 अवॉर्ड दिए गए। दूसरी ओर विशेष कैटेगरी में भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार टीनू आनंद, इंटरनेशनल सिनेमा में योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार पैट्रिक जॉर्ज राजस्थानी सिनेमा में योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मोहन कविया, संगीत में योगदान के लिए हसरत जयपुरी पुरस्कार उस्ताद अनवर खान मांगणियार, कॉमन मैन इन सिनेमा अवॉर्ड (दिवंगत ओम पुरी की स्मृति में) अखिलेन्द्र मिश्रा, टीवी और सिनेमा में योगदान के लिए मानद उत्कृष्टता पुरस्कार नंदीश सिंह संधू, प्राइड ऑफ राजस्थान इति आचार्य, सिनेमा व्यवसाय में उत्कृष्ट योगदान अवॉर्ड नंदू झालानी को दिया गया।

सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

बेधड़क. जयपुर। सामान्य प्रशासन विभाग (ग्रुप-4), शासन सचिवालय में कार्यरत गजेन्द्र पारीक, सहायक लेखाधिकारी (प्रथम) का सेवानिवृत्ति समारोह शासन सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में राजस्थान अकाउंट्स एसोसिएशन, शासन सचिवालय अधिकारी संघ एवं पेंशनर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। उक्त समारोह में पारीक को माला, श्रीफल व शॉल ओढाकर एवं राधा गोविंद देव जी की तस्वीर प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। विभिन्न विभाग के साथियों द्वारा उनकी उत्कृष्ट सेवाओं का वर्णन किया गया। समारोह में पूर्व अध्यक्ष शासन सचिवालय कर्मचारी/अधिकारी संघ शंकर सिंह मनोहर, रामनिरंजन गौड, महेश व्यास, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के वित्तीय सलाहकार सुभाष दानोदिया, जनसम्पर्क अधिकारी प्रमोद वैष्णव, अकाउंट्स एसोसिएशन के विनोद शर्मा एवं बड़ी संख्या में शासन सचिवालय एवं अन्य विभागों के लेखा संवर्ग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

शिविर में मरीजों की जांच

बेधड़क. जयपुर। आगरा रोड पर ओम एन्क्लेव स्थित जी 2 मेडिको सेंटर पर गुरुवार को निशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनरल फिजिशियन डा. अनिल शर्मा, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्षिता गुप्ता समेत कई विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी। इस दौरान मरीजों की डायबिटीज, बीपी समेत विभिन्न जांचें भी निशुल्क की गई। शिविर में काफी संख्या में मरीजों ने चिकित्सकीय परामर्श लेने के साथ निशुल्क जांचों का लाभ उठाया।

राउंड टेबल में लेडीज हुईं शामिल

बेधड़क. जयपुर। माइंड और सोल की पॉजिटिविटी के लिए शहर की फीमेल्स को मोटिवेट किया गया। मौका था 9-10 फरवरी को ग्रैंड अनुकंपा प्रतिष्ठा बैंक्वेट में होने वाली फैशन और लाइफ स्टाइल एग्जीबिशन लेबल्स गोन वाइल्ड की ओर से 'लव दायसेल्फ' राउंड टेबल के आयोजन का। टोंक रोड स्थित पापागालों में हुए राउंड टेबल कार्यक्रम में शहर की महिला डिजाइनिंग और इन्फ्लुएंसिंग प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया। लगभग 15 महिलाओं ने राउंड टेबल के दौरान चर्चा में मौजूदा समय की अड़चने, उपलब्धियां और अवसरों पर मंथन किया। फैशन डिजाइनर्स-इन्फ्लुएंसर्स तनुश्री खंडेलवाल, प्रियांशी केड़िया, हीना सुखानी, शिखा चौधरी, गौरी मुंद्रा, श्रिष्टी सिंह, दीया अजमेरा, आरुषि खंडेलवाल, शुभम टाक, टीना जैन, रुनझुन पाटनी, अक्षी गांधी और पारुल चौपड़ा ने हिस्सा लिया। आयोजक अक्षी और पारुल ने बताया, कि हम महिलाओं के लिए एक ऐसा मंच तैयार करना चाहते है जहां समय-समय पर अलग-अलग विषयों पर मंथन किया जा सके।

City इवेंट्स

इंडियन रेलवे ने राजस्थान को हराया

बेधड़क. जयपुर। महाराष्ट्र के सांगली में हुई 4 दिवसीय 35वीं फैडरेशन कप हैंडबॉल चैंपियनशिप के महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में इंडियन रेलवे के सामने गत विजेता राजस्थान को हार का सामना करना पड़ा। इंडियन रेलवे ने राजस्थान को 26-14 से हराया। वहीं संयुक्त तीसरे स्थान पर हरियाणा व महाराष्ट्र रहे। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया, कि चैंपियनशिप में राजस्थान टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पूल की सभी टीमों को हराते हुए पूल टॉप करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। लीग मैचेस में राजस्थान ने यूपी को 24-19 से, महाराष्ट्र को 25-19 से व पंजाब को 25-23 से हराया। सेमिफाइनल में राजस्थान ने हरियाणा को 31-30 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

बच्चों में हेमांग पर रहेंगी निगाहें

बेधड़क. जयपुर। खेल महोत्सव टेबलिंटन के 9वें संस्करण का आगाज शुक्रवार से एसएमएस इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। टूर्नामेंट के मुख्य संयोजक डॉ. सौरभ जैन ने बताया कि डॉक्टर्स और उनके परिजनों के टूर्नामेंट में बैडमिंटन, टेबल टेनिस और कैरम के मुकाबले होंगे। इस बार टूर्नामेंट की शुरुआत बच्चों के मुकाबलों से होगी। किड्स बैडमिंटन में 8 टीमें लेंगी। तनय कांकरिया, ज्योतिरादित्य, जनार्दन, प्रियश, हेमांग, हर्षित, आदित्य, सुहान अपनी-अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। किड्स टेबल टेनिस के संयोजक डॉ. अजय नायर व डॉ. संदीप कोठारी ने बताया कि टेबल टेनिस में बच्चों के ओपन मुकाबले होंगे।

महिलाओं को दे रहे पौष्टिक आहार

बेधड़क. जयपुर। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स अपनाओं और निरोगी काया पाओ। जेकेके में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर लाइफ साइंसेज (आईएसएलएस), आरयू और कनोड़िया कॉलेज के ईसीएच इन्क्यूबेशन सेंटर की ओर से जयपुर न्यूट्री फेस्ट में ये ही संदेश दिया जा रहा है। साथ ही मोटे अनाज से बने विभिन्न प्रोडक्ट्स, ज्यूस, च्यवनप्राश आदि को अपनाने की अपील की गई। बाजरे और रागी के लड्डू, गुड व तिल के साथ रोस्टेड मखाने की भी जानकारी दी गई। ये गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के लिए लाभदायक है। टोंक जिले के 3 गांवों में इन्हें महिलाओं में वितरित किया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा माह में नुक्कड़ नाटक का मंचन

विक्रम-वेताल ने समझाए 'सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' के पूरे नियम

बेधड़क | जयपुर

परिवहन व सड़क सुरक्षा विभाग राजस्थान और प्रादेशिक परिवहन अधिकारी जयपुर द्वितीय के सहयोग से सड़क सुरक्षा माह-2024 में चोमू पुलिया के बस स्टैंड पर रंग-रंगमंच संस्था के कलाकारों ने लोगों को नुक्कड़ नाटक के जरिए यातायात के नियमों का पालन करने के लिए अवेयर किया।

कलाकारों ने इसके लिए यातायात के नियमों पर आधारित लघु नाटक 'फर्क तो पड़ता है भई' का प्रदर्शन किया। नाटक में विक्रम और बेताल की कहानी दर्शाई गई। इस कहानी में शांतपुर और अशांतपुर नगरों के अंतर से बताया गया कि यदि हम यातायात के नियमों का पालन करेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। इसके साथ ही हम स्वस्थ और अनुशासित समाज का निर्माण कर पाएंगे। इस दौरान उन्होंने अपने किरदारों के संवादों के माध्यम से एक-एक नियम का पालन बताया। उन्होंने नाटक से हर आम व खास व्यक्तियों को यातायात के सभी नियमों को अनिवार्य रूप से पालन करने की अलख जगाई। नाटक में रति महर्षि, कैलाश सोनी, के के कोहली, अजीत माथुर व हिमांशु झांकल ने अभिनय किया। नाटक का लेखन व निर्देशन हिमांशु झांकल का रहा। गौरतलब है कि इस नाटक की ये 90वीं प्रस्तुति रही। 14 फरवरी तक जयपुर और राजस्थान के प्रमुख शहरों, मुख्य स्थानों व स्कूलों मे सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों पर आधारित लघु नाटकों व प्रोजेक्टर से कार्यक्रम किए जाएंगे।

इंडिया स्टोन मार्ट-2024 की हुई शुरुआत

इंटीरियर डिजाइनिंग, लैंड स्केपिंग आर्किटेक्चर के लिए दिए अवॉर्ड

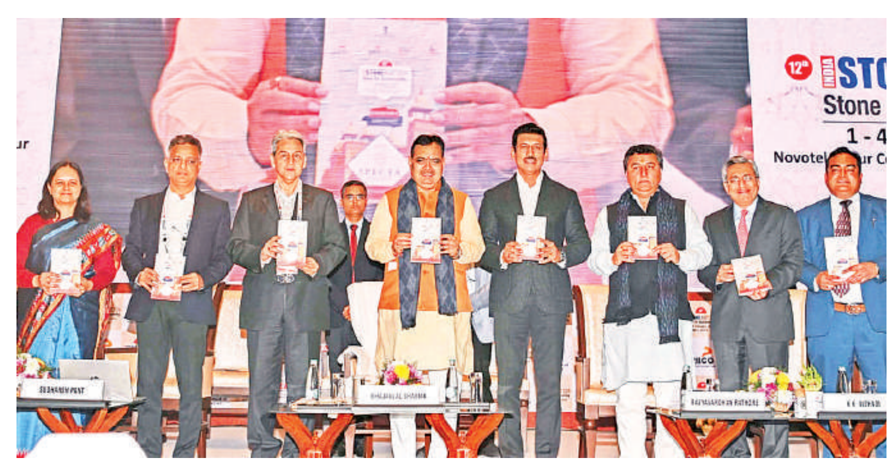

बेधड़क | जयपुर

राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा इसकी अपार संभावनाओं को देखते हुए राज्य में वाइब्रेंट गुजरात की तर्ज पर उद्योग समिट का आयोजन किया जाएगा, जिससे उद्यमियों को राज्य में निवेश के अवसर मिलेंगे। यह कहना था मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का, जो जेईसीसी सीतापुरा में इंडिया स्टोनमार्ट के 12वें संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा, कि भव्य मंदिर में राजस्थान का गुलाबी पत्थर तथा मार्बल उपयोग में लिया गया है, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

उल्लेखनीय कामों के लिए किया सम्मानित: कार्यक्रम में इंटीरियर डिजाइनिंग, लैण्ड स्केपिंग, ग्रीन आर्किटेक्चर के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्यमियों, लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवॉर्ड से किरण जे त्रिवेदी तथा यशवंत कुमार शर्मा को सम्मानित किया। कार्यक्रम में इंडिया स्टोन मार्ट निर्देशिका का विमोचन किया गया।

ये रहे मौजूद

इस दौरान उद्योग राज्य मंत्री के. के. विश्नोई, फिक्की अध्यक्ष अनीश शाह, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, जेडीए आयुक्त मंजू राजपाल, खान सचिव आनंदी, रीको प्रबंध निदेशक सुधीर कुमार शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण व बड़ी संख्या में उद्यमी मौजूद रहे।

महोत्सव | बापूनगर में निकली बाबा की पालकी

हाथी, घोड़े और लवाजमे संग साईं ने किया नगर भ्रमण

बेधड़क | जयपुर

बापूनगर के मोती पार्क स्थित श्री साईं धाम के 18वें स्थापना दिवस पर कांकड़ आरती व हवन के साथ साईं पालकी महोत्सव की शुरुआत हुई। इस बीच दोपहर में भजन संध्या का आयोजन हुआ तो वहीं महाआरती की गई।

शाम को साईं बाबा की पालकी शोभायात्रा निकाली गई। हाथी, घोड़े, ऊंट और शाही लवाजमे के साथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। सभी श्रद्धालु नाचते-गाते जयकारे लगाते चले और गाजे-बाजे के साथ

श्रद्धालु यात्रा में शामिल रहे। महोत्सव में रामलला के दर्शन खास आकर्षण रहे।

सामूहिक हवन में आहुतियां दी

सामूहिक हवन का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया। शाम को साईं बाबा की पालकी यात्रा भी निकाली गई। आयोजन से जुड़े संजीव शर्मा ने बताया, कि लोगों ने दीपकों से आरती उतारी। पालकी यात्रा बापू नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुन: साईं मंदिर पहुंची।

आज होगा पादुका पूजन

श्वेता शर्मा ने बताया, कि महोत्सव में शुक्रवार को सुबह 9 बजे से पादुका पूजन होगा। पूजा-अर्चना 2 घंटे तक चलेगी। वहीं मध्यान्ह आरती के बाद भंडारा प्रसादी शुरू होगी, जिसमें भक्त पंगत में प्रसादी पाएंगे। इस बीच साईं भक्ति संध्या का आयोजन भी होगा।

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं, जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

घुसपैठ पर नजर

टेक्सास। मंगलवार को मेक्सिको से टेक्सास के एल पासो में प्रवासियों के अनधिकृत रूप घुसने के बाद टेक्सास नेशनल गार्ड के सैनिकों ने सीमा को रेजर वायर से कवर कर दिया। गौरतलब है कि, अमेरिका में प्रक्रियाधीन द्विदलीय समझौता इन दिनों विवादों में है जिससे रोजाना 5 हजार प्रवासियों के देश की दक्षिणी सीमा से अंदर आने की संभावना है। रिपब्लिकन पार्टी के संभावित राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप व अन्य नेता इस समझौते का विरोध कर रहे हैं।

नाबालिग से यौन संबंध बनाने के प्रयास का मामला

भारतीय सैन्य अधिकारी को जेल

एजेंसी | सिंगापुर

दो वर्ष पहले 15 साल की किशोरी के साथ यौन संबंध बनाने का प्रयास करने के आरोप में एक 50 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को 10 महीने जेल की सजा सुनाई गई। आरोपी सिंगापुर सशस्त्र बल (एसएएफ) का वारंट अधिकारी है।

द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सुब्रमण्यम थबुरन रंगासामी को पिछले महीने नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाने के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। पीड़िता की उम्र अब 17 साल हो गई है। अदालत ने सजा सुनाते समय सुब्रमण्यम के दो अन्य आरोपों पर भी विचार किया गया। इस बीच सुब्रमण्यम को सभी कर्तव्यों से निलंबित कर दिया गया। रक्षा मंत्रालय की एक प्रवक्ता के मुताबिक एसएएफ अदालत की सुनवाई के बाद आगे की कार्रवाई करेगी, जिसमें सुब्रमण्यम को सेवा से बर्खास्त करना भी शामिल हो सकता है।

यह थी घटना

घटना 6 दिसंबर, 2021 को हुई, जब पीड़िता को सुबह अपने स्कूल काउंसलर के साथ ऑनलाइन मीटिंग करनी थी। छात्रा कार पार्क की पांचवीं मंजिल से नीचे चल रही थी और उसी दौरान वह सीढ़ी से गिर गई और एक दरवाजे से टकरा गई। इस दौरान सुब्रमण्यम ने पीड़िता की मदद की थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान सुब्रमण्यम ने उसके साथ यौन संबंध बनाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। घटना के दो दिन बाद, लड़की ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई क्योंकि उसे लगा कि सुब्रमण्यम ने उसका गलत फायदा उठाया है। उप लोक अभियोजक सुनील नायर ने पहले की कार्यवाही में अदालत को बताया था कि 'आरोपी को पीड़िता की उम्र के बारे में कभी भी गुमराह नहीं किया गया था।'

मंदिर देखने अबू धाबी पहुंचे 42 देशों के प्रतिनिधि

अभिभूत हुए राजनयिक

एजेंसी | अबू धाबी

संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में बन रहे बीएपीएस मंदिर के उद्घाटन से पहले यहां दुनियाभर के 42 देशों के राजदूतों की मेजबानी की गई। दुनियाभर के राजनयिकों ने मंदिर की वास्तुकला की तारीफ की। गौरतलब है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 फरवरी को इस भव्य मंदिर का उद्घाटन करेंगे। यूएई में भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर के विशेष दौरे के लिए दुनिया भर के राजनयिकों की मेजबानी की। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस अवसर के फोटो साझा करते हुए लिखा- 'बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन में कुछ समय बाकी है। उससे पहले राजदूत संजय सुधीर ने राजनयिकों को मंदिर का विशेष दौरा कराया। राजदूत ने राजनयिकों को मंदिर की अनूठी वास्तुकला, जटिल रूपांकनों और एकता, शांति और सद्भाव के संदेश की जानकारी दी।'

आज सपना बन गया है हकीकत

भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने मंदिर में आए राजनयिकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने मंदिर का काम पूरा होने पर खुशी जताते हुए कहा कि यह काम लगभग असंभव था, लेकिन अब सपना सचमुच हकीकत बन गया है। सुधीर के निमंत्रण पर 42 देशों के प्रतिनिधि मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचे थे। इनमें अमेरिका, अर्जेंटीना, आर्मेनिया, बहरीन, बांग्लादेश, जर्मनी, घाना, आयरलैंड, इजरायल, इटली, कनाडा, चाड, चिली, साइप्रस, चेक गणराज्य, डोमिनिकन गणराज्य, मिस्र, यूरोपीय यूनियन, फिजी, गाम्बिया सहित अन्य देशों के राजदूत और वरिष्ठ राजनयिक शामिल थे।

नेतन्याहू ने खारिज की युद्ध बंदी की अटकलें

जारी रहेगा हमास के साथ युद्ध

एजेंसी | तेल अवीव

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजरायल हमास के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त नहीं करेगा और इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) गाजा में ही रहेंगे। नेतन्याहू ने इजरायल के युद्ध खत्म करने की अटकलों को खारिज कर दिया।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि मीडिया में अटकलें लगाई जा रही थीं कि इजरायल गाजा में युद्ध समाप्त कर देगा, लेकिन यह झूठ है। उन्होंने कहा कि "इजरायल की हमास को खत्म करने की योजना और गाजा को एक ऐसी जगह बनाना जो इजरायल के लिए खतरा न हो, जारी रहेगी।"

बंधक समझौते पर काम जारी

हमास की हिरासत में मौजूद इजरायली बंधकों की रिहाई के संबंध में कतर, मिस्र और अमेरिका द्वारा चल रही मध्यस्थता वार्ता पर टिप्पणी करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि बंधक समझौते पर काम किया जा रहा है। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल युद्ध को पूरी तरह से नहीं रोकेगा, हालांकि हम बंधकों की रिहाई के लिए एक और रूपरेखा पर काम कर रहे हैं।

टिकटॉक CEO से पूछताछ

वाशिंगटन। चीनी कनेक्शन को लेकर अमेरिकी सांसदों ने टिकटॉक के सीईओ शॉ च्यू से पूछताछ की। उन पर अपना डाटा चीनी सेना-पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को शेयर कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान अर्कांसस रिपब्लिकन सेन टॉम कॉटन ने बाइटडांस की मुख्य चीनी सहायक कंपनी में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा एक प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के साथ सीईओ के रूप में उनकी नियुक्ति को लेकर शॉ च्यू से पूछताछ की।

पाक सुरक्षा बलों की कार्रवाई

हमले में मारे गए 21 बलूच विद्रोही

एजेंसी | कराची

पाकिस्तानी सुरक्षा बल की ओर से सोमवार रात को की गई कार्रवाई में 21 बलूच विद्रोही मारे गए। सुरक्षा बलों का कहना है कि यह कार्रवाई सोमवार को बलूच विद्रोहियों की ओर से माच टाउन और कोलपुर इलाके में किए गए हमले के जवाब में की गई। एक अधिकारी ने बताया कि इन दोनों स्थानों पर हुई कार्रवाई में 21 बलूच विद्रोही मारे गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इन दोनों स्थानों पर हुई कार्रवाई में 21 बलूच विद्रोही मारे गए हैं। सुरक्षा बलों के इस ऑपरेशन के दौरान चार सुरक्षा बल के जवान और दो आम नागरिक भी मारे गए। अब तक आधिकारिक रूप से 12 विद्रोहियों के मारे जाने की सूचना दी गई है, लेकिन एक अधिकारी ने कहा है कि मारे जाने वाले 21 विद्रोही बलूच लिबरेशन आर्मी मुजाहिद ब्रिगेड के सदस्य थे। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा बलों के मारे जाने की संख्या भी बढ़ सकती है। लेकिन अभी इस संबंध में कोई सूचना नहीं है।

एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक का दावा

इंसान के शरीर में लगाई ब्रेन चिप

एजेंसी | वाशिंगटन

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शुमार एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने इंसान में ब्रेन चिप लगाने का दावा किया है। कंपनी का दावा है कि एक मानव रोगी को ब्रेन-चिप प्रत्यारोपण किया गया है, जो कि सफल रहा और मरीज तेजी से ठीक हो रहा है।

एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि प्रारंभिक नतीजे उत्साह बढ़ाने वाले हैं और ये न्यूरॉन स्पाइक का पता लगाने की उम्मीद जगाते दिखते हैं। मस्क ने इसके बाद कहा कि न्यूरालिंक के पहले प्रोडक्ट को टेलीपैथी कहा जाएगा। कंपनी ने कहा है कि उसका मकसद न्यूरोलॉजिकल विकार से पीड़ित लोगों के जीवन को आसान बनाना है। मस्क ने 2016 में न्यूरोटेक्नोलॉजी कंपनी न्यूरालिंक स्टार्टअप शुरू की थी, जो दिमाग और कंप्यूटर के बीच सीधे संचार चैनल बनाने पर काम कर रही है।

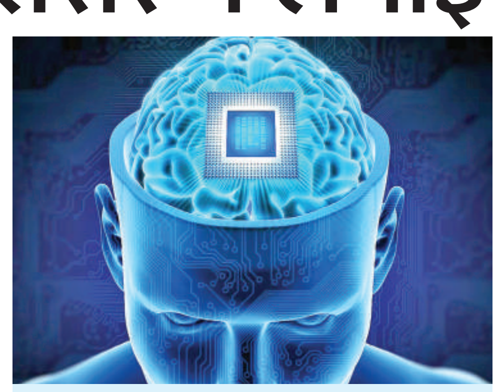

दिमाग की तरह करेगी काम

कंपनी ने एक ऐसी चिप बनाई है, जिसे सर्जरी के जरिए इंसानी दिमाग के अंदर डाला जाएगा। ये एक तरह से इंसान के दिमाग की तरह काम करेगी। इसका इस्तेमाल मस्तिष्क और नर्वस सिस्टम के डिसऑर्डर का सामना कर रहे लोगों के लिए किया जा सकेगा। आसान शब्दों में हम सकते हैं कि जिस तरह से शरीर के कई दूसरे अंगों के काम करना बंद कर देने पर उनका ट्रांसप्लांट होता है, ये एक हद उसी तरह से दिमाग का ट्रांसप्लांट है।

कंपनी को बीते साल मिली थी मंजूरी

न्यूरालिंक को बीते साल अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफीए) से इंसान के मस्तिष्क प्रत्यारोपण का परीक्षण करने यानि इन-ह्यूमन क्लिनिकल ट्रायल की मंजूरी मिली थी। न्यूरालिंक अपने माइक्रोचिप्स का उपयोग पक्षाघात और अंधापन जैसी स्थितियों के इलाज के लिए और कुछ विकलांग लोगों को कंप्यूटर और मोबाइल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद करने की बात करती है। इंसानों से पहले इन चिप्स का परीक्षण बंदरों में किया गया। इन चिप्स को मस्तिष्क में उत्पन्न संकेतों की व्याख्या करने और ब्लूटूथ के माध्यम से उपकरणों तक जानकारी रिले करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl